सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

# परिवहन विशेष

www.newsparivahan.com

वर्ष 02, अंक 137, नई दिल्ली । रविवार, 28 जुलाई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा ।

03 यूट्यूबर्स पर नकेल,बिल लाएगी सरकार बनेगें नियम
06 छात्रों को हाई-टेक दुनिया के लिए तैयार करना
08 कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष पर शहीदों की याद मे विशाल वृक्षारोपण

# देर आए दुरुस्त आए, तीन साल बाद खुली दिल्ली परिवहन विभाग की आंखें

संजय बाटला

**नई दिल्ली।** दिल्ली की जनता को संबोधित कर अपने आप पर श्रेय लेने वाली दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग क्या जनता को यह बताना पसन्द करेगा की स्क्रैप पालिसी और भारत सरकार के बजट में कब जनता को पूराने समय सीमा समाप्त कर चुके वाहनों को अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर से स्क्रैप करवाने पर नए वाहन खरीदने पर स्क्रैप सर्टिफिकेट पेश करने पर टैक्स में छूट मिलेगी। दिल्ली परिवहन विभाग क्या जनता को जिनके द्वारा इतने वर्षो तक अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर से अपने पूराने समय सीमा समाप्त कर चुके वाहन कटवा चुके हैं को नए वाहन खरीदने पर टैक्स में छूट ना देने की अपनी मंशा साफ करेगा। **जनता के लिए यह भी सुखद है की देर से ही सही पर दिल्ली परिवहन विभाग की आंखे खुल गई और आने वाले समय मे जो फायदा तीन साल पहले से जनता को मिलना चाहिए था कम से कम अब मिलना शुरू हो जाएगा।** बड़े बुजुर्गो के बोल "देर आए दुरुस्त आए", कहावत चरितार्थ हो गई।

# आखिर कब प्रवर्तन शाखा (यातायात पुलिस, पुलिस और आरटीओ) के अधिकारी/ कर्मचारी जनता को परेशान करना करेंगे बंद

जगमोहन सिंह

**नई दिल्ली।** ट्रैफिक वाले कुछ और दशकों तक बिना किसी कारण के लोगों को परेशान करते रहेंगे। अब सारे रिकॉर्ड सरकारी पोर्टल पर हैं। किसी को कहीं दिखाने के लिए कोई दस्तावेज अपने साथ क्यों रखना चाहिए।

आरसी क्यों दिखाना चाहिए? वाहन पर रजिस्ट्रेशन नंबर की सुरक्षा प्लेट का डिस्प्ले ही काफी है। यह आसानी से सत्यापित किया जा सकता है कि वाहन पंजीकृत है या नहीं। बिना आरसी के वाहन चलाना कैसे बिना रजिस्ट्रेशन के वाहन चलाना है? यह 39 एमवी एक्ट का अपराध कैसे है? ऐसा बिल्कुल नहीं है?

सरकारी पोर्टल पर ड्राइविंग लाइसेंस का अलग रिकॉर्ड होता है। किसी व्यक्ति के पास वाहन चलाने का लाइसेंस है या नहीं, यह केवल सिस्टम में उसका नाम और जन्मतिथि डालकर सत्यापित किया जा सकता है। केवल पुलिसकर्मी को दिखाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस को अपने साथ क्यों रखना चाहिए? 18 वर्ष से अधिक आयु के एक सक्षम व्यक्ति को सड़क पर निजी कार चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस क्यों लेना चाहिए, जबकि वह खुद और दूसरों के लिए समान जोखिम के साथ उसी सड़क पर साइकिल या गियरलेस बाइक ले जा सकता है? हम 70 साल पुराने लाइसेंस राज से बाहर क्यों नहीं निकल सकते?

परिवहन अभिलेख पोर्टल में बीमा अद्यतन अनिवार्य है तथा जारी या नवीनीकृत होते ही हमेशा उपलब्ध रहता है, जिसे बीमा पोर्टल में खोज कॉलम में वाहन का नंबर डालकर भी सत्यापित किया जा सकता है। पेट्रोल पंप या अन्य दुकानों पर लाइसेंसधारी विक्रेता की मशीनों द्वारा जांचे जाने पर पीयूसीसी अद्यतन हो जाता है तथा समय पर नवीनीकरण न कराने पर वाहन स्वामी को समाप्ति की चेतावनी या पीयूसीसी नवीनीकरण के लिए चेतावनी का संदेश भेजा जाता है। हालांकि पीयूसीसी दस्तावेज किसी काम का नहीं है तथा यह मोटर वाहन अधिनियम के तहत दस्तावेज नहीं है, जो आरंभ में लागू हुआ था, लेकिन गलत तरीके से इसकी व्याख्या कर अवैध रूप से राजस्व अर्जित करने के

लिए इसका उपयोग किया गया है। दायित्व तभी उत्पन्न होता है, जब वाहन सड़क पर चलते समय पीएमवीआई द्वारा जांचे जाने पर प्रदूषण फैलाता हुआ पाया जाता है। वाहन को केवल पीयूसीसी जांच केंद्र से प्रदूषण उत्सर्जन के लिए जांच करवाने तथा नोटिस के 15 दिनों के भीतर पीयूसीसी प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया जा सकता है। पीयूसीसी की तिथि समाप्त हो जाना चालान करने तथा जुर्माना लगाने का आधार नहीं है। आजकल ट्रैफिक पुलिस द्वारा किया जा रहा लगभग हर काम राज्य या उसके कर्मचारियों के लिए जबरन वसूली का नाटक मात्र है। खराब ट्रैफिक और सड़क प्रबंधन को बड़ी संख्या में चालान जारी करने के रंग में रंगना गलत है। अधिक चालान का मतलब है अधिक ट्रैफिक कुप्रबंधन और नियमों का उल्लंघन। हर व्यवस्था को प्रबंधन और सड़क की स्थिति में बेमेल के रूप में देखा जाता है। हम नागरिकों को नहीं पता कि इस डिजिटल युग में हम अशिक्षित विनियमन, विनियमन और कानून की ऐसी खराब व्यवस्था से कब छुटकारा पाएंगे। सब कुछ सत्यापित करने के लिए उंगलियों की नोक पर है, लेकिन नागरिकों पर विश्वास नहीं किया जाता है और उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जैसे वे भारत के नागरिक ही नहीं हैं। हर भारतीय पर उल्लंघनकर्ता और कानून तोड़ने का संदेह या ब्रांड लगाया जाता है, जबकि केवल कुछ ही जानबूझकर उल्लंघन करने की मनोवैज्ञानिक स्थितियों के तहत कानून से बच निकलते हैं। लेकिन इस तरह के छोटे-मोटे बच निकलने से राज्य के खजाने पर कोई असर नहीं पड़ता। केवल नागरिकों में आत्म अनुशासन और सड़कों का उपयोग करने के बारे में उनकी शिक्षा का अद्यतन ही अब बेहतर महसूस करने में मदद कर सकता है। कृपया अपने विचार खुलकर साझा करें।

# दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधि मण्डल भारत सरकार में ग्रह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय से मिला

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** टैक्सी एसोसिएशन के अध्यक्ष ने ग्रह मंत्री को बताया की हाइवे पर आज कल काफी लूट पाट होती रहती है और महिलाओ की सुरक्षा का खतरा भी बढ़ गया है । हाईवे पर बदमाश ओवरटेक करके गाड़ियों को लूट रहे हैं क्योकी प्राइवेट गाड़ियों की स्पीड अधिक और टूरिस्ट टैक्सी बसों की स्पीड कम है। व्यावसायिक सवारी वाहनों की गति सीमा 80 किलो मीटर प्रति घंटे और प्राइवेट वाहनों की गति सीमा 120 किलो मीटर प्रति घंटा नोटिफाइड करी हुई हैं। टैक्सी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष ने ग्रह मंत्री को बताया हम एक्सप्रेस वे/हाई वे पर वाहनों को चलाने के एवज में सरकार को राजस्व के रुप में करोडो रुपए टोल टैक्स के नाम पर देते हैं। साथ ही बताया की दिल्ली में इंटरपोल के सम्मेलन में आये हुए अधिकारियो ने आगरा जाते हुए ड्राइवर द्वारा धीमी गति से टूरिस्ट टैक्सी चलाने की शिकायत के साथ नाराजगी भी जताई थी क्योंकि टूरिस्ट टैक्सी की गति सीमा अन्य प्राइवेट वाहनों से कम थी। आगे बताया की हमारे वाहनों में देश विदेश के सैलानी सफर करते हैं और गति सीमा

की पाबंदी के कारण अगर गलती से भी किसी भी तरह की कोई दुर्घटना/लूट पाट/बलात्कार स्पीड गवर्नर की वजह से होती हे तो इसकी जिम्मेदारी किस की और किस विभाग के अधिकारी की होंगी तय करना आवश्यक है।

टैक्सी एसोसिएशन ने स्पीड गवर्नर की अनिवार्यता को आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की टैक्सी बसों से तुरंत हटवाने का आग्रह राज्य मंत्री से किया तथा बताया की स्पीड लिमिट डिवाइस लगाने का आदेश सड़क परिवहन एवम राजमार्ग मंत्रालय द्वारा मोटर वाहन नियम के प्रावधान में किया गया हैं, इस बारे मे एसोसिएशन द्वारा परिवहन मंत्री से काफी बार मिले हैं, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। एसोसिएशन का कहना है की यह मुद्दा महिलाओ और देश विदेश के पर्यटको की जान माल और सुरक्षा से संबंधित है पर दिल्ली और केंद्र सरकार परिवहन विभाग दोनों ने आज तक गंभीरता से नहीं लिया. *एसोसिएशन का कहना है की गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आल इंडिया टूरिस्ट टैक्सी बसों की टैक्सी बसों पर स्पीड लिमिट डिवाइस लगाने को गलत बताया और उन्होंने भी माना की ये स्पीड लिमिट डिवाइस ( स्पीड गवर्नर ) शहर के अंदर चलने वाले वाहनों के लिए तो सही हैं परन्तु एक्सप्रेस वे और हाई वे पर चलने वाले टूरिस्ट टैक्सी बसों को 80 किलोमीटर की स्पीड पर बांधना सही नहीं हैं और वह इस बाबत श्री नितिन गडकरी को पत्र लिख कर इसका समाधान करवाएंगे।

# हिंडन एयरपोर्ट से जल्द शुरू होगी लखनऊ-इलाहाबाद के लिए उड़ान, एयरपोर्ट प्रबंधन ने कई एयरलाइंस से की बात

एयरपोर्ट निदेशक ने बताया कि गाजियाबाद से लखनऊ, प्रयागराज और अयोध्या के लिए यात्रियों की भीड़ है। इन शहरों के लिए उड़ान शुरू करने की योजना पहले से है।

हिंडन एयरपोर्ट से जल्द ही लखनऊ, अयोध्या और प्रयागराज के लिए उड़ाने शुरू होंगी। इसके लिए एयरपोर्ट प्रबंधन ने कई एयरलाइंस कंपनियों से बात की है। एयरपोर्ट निदेशक उमेश यादव का कहना है कि जैसे ही सहमति बनती है यहां से उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

एयरपोर्ट निदेशक ने बताया कि गाजियाबाद से लखनऊ, प्रयागराज और अयोध्या के लिए यात्रियों की भीड़ है। इन शहरों के लिए उड़ान शुरू करने की योजना पहले से है। उमेश यादव ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से कोलकाता, बंगलुरू, गोवा के लिए उड़ान शुरू होनी थी जिसकी तारीख अभी स्थगित कर दी गई है। वहीं, पास के शहरों के लिए उड़ान पहले शुरू करने की योजना पर प्रबंधन जोर दे रहा है।

इस संबंध में स्टार एयर, फ्लाई बिग के साथ ही अन्य कई एयरलाइंस कंपनियों से बात की गई है उन्हें एयरपोर्ट विजिट भी कराया गया है ताकि वह अपनी योजना बना सकें। एयरपोर्ट निदेशक का कहना है कि 2024 के अंत तक हिंडन एयरपोर्ट से कम से कम दस शहरों के लिए उड़ान होनी है। वर्तमान में यहां से पांच शहरों के लिए प्रतिदिन उड़ान है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

# दिल्ली और आसपास के इलाकों में 70 हजार करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं, ताकि जाम से मिले छुटकारा

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में सड़कों, राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए 70,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम चल रहा है, ताकि लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिल सके।

**नईदिल्ली।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में सड़कों, राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए 70,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम चल रहा है, ताकि लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिल सके।

दिल्ली में शुक्रवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने आगे कहा कि हाइड्रोजन से चलने वाले वाहन भविष्य हैं। और आखिरकार जीवाश्म ईंधन से होने वाले प्रदूषण की समस्याओं से छुटकारा पाने में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि आज तकनीक बहुत तेजी से बदल रही है और ज्ञान ही शक्ति है।

गडकरी ने कहा कि उनका मंत्रालय सड़कों के निर्माण में दिल्ली में लैंडफिल से निकलने वाले कचरे का इस्तेमाल कर रहा है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को सामाजिक रूप से जिम्मेदार होना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि वह राजनीति से ज्यादा समाज सेवा पर ध्यान देते हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एलान किया कि उसने दिल्ली-एनसीआर में और उसके आसपास विभिन्न इलाकों पर मियावाकी वृक्षारोपण स्थापित करने के लिए 53 एकड़ भूमि की पहचान की है।

यह कदम नेशनल हाईवे (राष्ट्रीय राजमार्गों) को हरियाली से भरने के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए उठाया जा रहा है। इसके लिए, एनएचएआई विभिन्न जगहों पर नेशनल हाईवे से सटे भूमि भूखंडों पर मियावाकी वृक्षारोपण लगाने के लिए एक अनूठी पहल करेगा।

मंत्रालय ने कहा, "राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे मियावाकी वृक्षारोपण के विकास के लिए प्रस्तावित कुछ स्थलों में हरियाणा सेक्शन के द्वारका एक्सप्रेसवे के साथ 4.7 एकड़ भूमि क्षेत्र, दिल्ली-वडोदरा खंड के दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोहना के पास 4.1 एकड़, हरियाणा में अंबाला-कोटपूतली कॉरिडोर के राष्ट्रीय राजमार्ग 152D पर चाबरी और खरखड़ा इंटरचेंज दोनों मेंलगभग 5 एकड़ शामिल हैं।"

इसके अलावा, NH-709B पर शामली बाईपास पर 12 एकड़ से ज्यादा, गाजियाबाद के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर दुहाई इंटरचेंज पर 9.2 एकड़ और NH-34 के मेरठ-नजीबाबाद खंड के पास 5.6 एकड़ भूमि की पहचान की गई है।

इन चुनी हुई जगहों पर जमीनी तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं और वृक्षारोपण आगामी मानसून मौसम में किया जाएगा। इसे अगस्त 2024 के आखिर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

मियावाकी वृक्षारोपण, जिसे मियावाकी पद्धति के रूप में भी जाना जाता है, इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन (पारिस्थितिक बहाली) और वनीकरण विकास के लिए एक अद्वितीय जापानी दृष्टिकोण है।

इनसाइड

## प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

**वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित**

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

**क्या कहता है शोध**

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

**इस तरह करें बचाव**

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

**गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान**

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

# 5 डेली लाइफ की चीजें महिलाएं जरूर सीख लें, मदद की नहीं पड़ेगी जरूरत, कदम से कदम मिलाकर चलें जमाने के साथ

जीवन में कुछ बुनियादी कौशल हैं, जिन्हें हर महिला को सीखना ही चाहिए. इन्हीं कौशलों में से एकाध हैं बच्चों की परवरिश, खाना बनाना आदि. लेकिन, आपको यह जानना जरूरी है कि इन चीजों के अलावा भी कई चीजे हैं, जिसे जल्द से जल्द सीखना महिलाओं के लिए जरूरी होता है. इन चीजों को अगर आप सीख लें तो लोगों पर निर्भरता आपकी कम होगी और आप लोगों से मदद मांगने की बजाय, उनकी मदद कर सकेंगी. जानते हैं कि बेहतर जीवन के लिए हर महिला को डेली लाइफ में किन प्रैक्टिकल स्किल को सीखना जरूरी है.

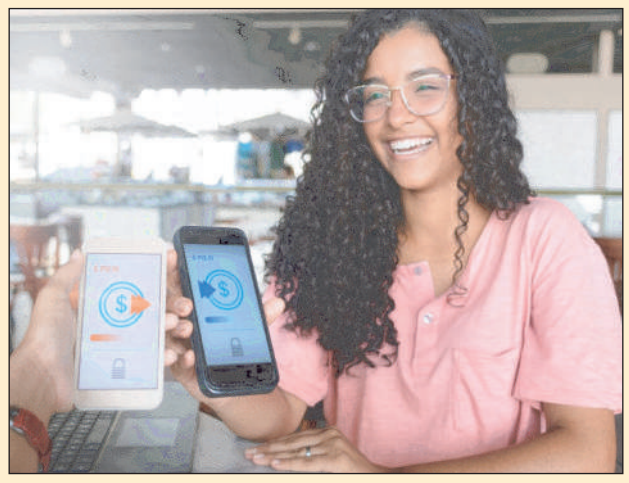

1/ 5 बेसिक स्किल के रूप में हर महिला को ड्राइविंग के अलावा टायर और इंजन ऑयल बदलना भी सीखना जरूरी है. जितना जरूरी महिलाओं के लिए ड्राइविंग सीखना होता है, अपनी गाड़ी से जुड़ी हर बात की जानकारी रखना भी लड़कियों के लिए बहुत जरूरी है. मान लें कि आप कभी आप किसी ट्रैवल में हों और आपका टायर पंचर हो जाए और आपका मोबाइल काम ना करे. ऐसे में आप खुद ही गाड़ी का टायर बदल सकती हैं. वरना मदद के चक्कर में आप बुरे लोगों की चंगुल में आ सकती हैं.
Image : Canva
बेसिक स्किल के रूप में हर महिला को ड्राइविंग के अलावा टायर और इंजन ऑयल बदलना भी सीखना जरूरी है. जितना जरूरी महिलाओं के लिए ड्राइविंग सीखना होता है, अपनी गाड़ी से जुड़ी हर बात की जानकारी रखना भी लड़कियों के लिए बहुत जरूरी है. मान लें कि आप कभी आप किसी ट्रैवल में हों और आपका टायर पंचर हो जाए और आपका मोबाइल काम ना करे. ऐसे में आप खुद ही गाड़ी का टायर बदल सकती हैं. वरना मदद के चक्कर में आप बुरे लोगों की चंगुल में आ सकती हैं.

2/ 5 विनम्र तरीके से और दृढ़तापूर्वक किसी को ना कहना सीखना हर महिला को आना चाहिए. अगर आप किसी को ना नहीं कह पाती हैं तो आपको जल्द से जल्द यह सीखने की जरूरत है. इस तरह आप अपने साथ होने वाली कई अनहोनी घटनाओं को होने से रोक सकेंगी. अगर कोई आपको कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहा है जिसे आप नहीं करना चाहती हैं तो आपको खुद के लिए खड़े होना सीखना होगा और 'ना' कहना होगा.
विनम्र तरीके से और दृढ़तापूर्वक किसी को ना कहना सीखना हर महिला को आना चाहिए. अगर आप किसी को ना नहीं कह पाती हैं तो आपको जल्द से जल्द यह सीखने की जरूरत है. इस तरह आप अपने साथ होने वाली कई अनहोनी घटनाओं को होने से रोक सकेंगी. अगर कोई आपको कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहा है जिसे आप नहीं करना चाहती हैं तो आपको खुद के लिए खड़े होना सीखना होगा और 'ना' कहना होगा.

3/ 5 अगर आप बजट बनाना और अपने पैसों का सही निवेश करना सीख जाती हैं, तो आप आर्थिक रूप से स्वतंत्र महसूस करेंगी. अगर आप यह सीख जाएं कि कैसे अपने पैसे को इनवेस्ट करना है, तो आप जो कुछ भी जीवन में करना चाहती हैं, उसके लिए खुद पैसा पैदा भी कर सकती हैं. अगर आप बजट बनाना और अपने पैसों का सही निवेश करना सीख जाती हैं, तो आप आर्थिक रूप से स्वतंत्र महसूस करेंगी. अगर आप यह सीख जाएं कि कैसे अपने पैसे को इनवेस्ट करना है, तो आप जो कुछ भी जीवन में करना चाहती हैं, उसके लिए खुद पैसा पैदा भी कर सकती हैं.

4/ 5 अगर आप कुकिंग नहीं जानतीं तो आपको कदम कदम पर दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है. यही नहीं, आप चाहकर भी किसी को अपने हाथ से बना कुछ स्पेशल नहीं खिला पाएंगी. ऐसे में कम से कम 3 कंप्लीट डिश आप जरूर बनाना सीखें. यही नहीं, यह भी प्रयास करें कि आप रोज खाने वाले आसान डिश को भी बनाना सीख जाएं. इससे आपको हर बार बाहर के खाने को ऑर्डर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आप हेल्दी रहेंगी.
अगर आप कुकिंग नहीं जानतीं तो आपको कदम कदम पर दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है. यही नहीं, आप चाहकर भी किसी को अपने हाथ से बना कुछ स्पेशल नहीं खिला पाएंगी. ऐसे में कम से कम 3 कंप्लीट डिश आप जरूर बनाना सीखें. यही नहीं, यह भी प्रयास करें कि आप रोज खाने वाले आसान डिश को भी बनाना सीख जाएं. इससे आपको हर बार बाहर के खाने को ऑर्डर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आप हेल्दी रहेंगी.

5/ 5 हर महिला को यह पता होना चाहिए कि आंधी के बीच, अंधेरे में किसी अपरिचित जगह पर कैसे ड्राइव करना या रास्ता ढूंडना है. अगर आप कभी खो जाएं तो अपना रास्ता कैसे खोजें. अगर आपका जीपीएस टूट जाए और रास्ता बताने के लिए कोई ना हो तो किस तरह मैप की मदद से जगह को ढूंडें.अगर आप इस तरह के कौशल को अपने अंदर पैदा कर लें तो यकीन मानिए, आप अधिक फ्री महसूस करेंगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा.
हर महिला को यह पता होना चाहिए कि आंधी के बीच, अंधेरे में किसी अपरिचित जगह पर कैसे ड्राइव करना या रास्ता ढूंडना है. अगर आप कभी खो जाएं तो अपना रास्ता कैसे खोजें. अगर आपका जीपीएस टूट जाए और रास्ता बताने के लिए कोई ना हो तो किस तरह मैप की मदद से जगह को ढूंडें.अगर आप इस तरह के कौशल को अपने अंदर पैदा कर लें तो यकीन मानिए, आप अधिक फ्री महसूस करेंगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा.

## वर्किंग वुमन के लिए बेस्ट हैं ये हेल्थ केयर टिप्स, 5 आसान तरीके करें फॉलो, हमेशा रहेंगी फिट और हेल्दी

रोजमर्रा की बिजी लाइफस्टाइल में ज्यादातर महिलाओं को अपने लिए समय नहीं मिल पाता है. खासकर वर्किंग वुमन के लिए घर और ऑफिस को संभालना काफी मुश्किल टास्क होता है. हालांकि वर्किंग वुमन अगर चाहें तो कुछ आसान तरीकों की मदद से ना सिर्फ घर और बाहर की जिम्मेदारियों के बीच में अपना खास ख्याल रख सकती हैं बल्कि खुद को फिट और हेल्दी भी बना सकती हैं.
घर और ऑफिस का काम करते समय महिलाएं अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं. जिसके चलते आप कई हेल्थ प्रॉब्लम्स का भी शिकार हो सकती हैं. इसलिए हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं वर्किंग वुमन के लिए कुछ आसान हेल्थ केयर टिप्स, जिसे फॉलो करके आप हेल्दी लाइफस्टाइल को फुल एन्जॉय कर सकती हैं.

**हैवी नाश्ता करें**

काम में बिजी होने के कारण कई बार वर्किंग वुमन को खाने का समय नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप सुबह हैवी नाश्ता कर सकती हैं. इससे ना सिर्फ आपका पेट भरा रहेगा बल्कि काम के दौरान आपको भूख का भी कम अहसास होगा और आप काम पर पूरा फोकस कर पाएंगी.

**हेल्दी डाइट लें**

वर्किंग वुमन अक्सर भूख लगने पर जंक फूड या तला-भुना खाकर पेट भर लेती हैं. जिससे आपके शरीर में पोषण की कमी होने लगती है और आप बीमार भी पड़ सकती हैं. इसलिए हमेशा घर का खाना खाने पर जोर दें. साथ ही डाइट में दही, सीजनल फ्रूट्स और हरी सब्जियों जैसी न्यूट्रिएंट्स रिच चीजों का सेवन करें. जिससे आप फिट और हेल्दी रह सकेंगी.

**भरपूर पानी पिएं**

वर्किंग वुमन अक्सर काम में उलझकर समय पर पानी पीना भी भूल जाती हैं. जिससे आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकती हैं. इसलिए काम के दौरान बीच-बीच में पानी जरूर पीएं. वहीं दिन में 8-10 गिलास पानी पीकर आप खुद को हाइड्रेटेड और एनर्जेटिक रख सकती हैं.

**तनाव मुक्त रहें**

घर और ऑफिस का काम मैनेज करने के चक्कर में कई बार महिलाएं स्ट्रैस लेने लगती हैं. जिससे ना सिर्फ आपका मूड खराब हो जाता है बल्कि काम में भी पूरी तरह से मन नहीं लग पाता है. इसलिए काम के बीच में खुद को खुश रखने की कोशिश करें. जिससे आप तनाव मुक्त रह सकेंगी.

# अपनी लाइफ में शामिल स्पेशल लेडीज को दें ये खास गिफ्ट, पाते ही खिल उठेगा उनका खूबसूरत चेहरा

प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को पूरी दुनिया में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' सेलिब्रेट किया जाता है. हर साल यह दिवस एक खास थीम को ध्यान में रखकर मनाया जाता है. वर्ष 2023 की थीम 'एम्ब्रेसइक्विटी' (Embrace Equity) रखी गई है. 8 मार्च 1975 को युनाइटेड नेशंस द्वारा 'इंटरनेशनल वुमेंस डे' को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी. घर-परिवार, समाज आदि में महिलाओं की भागीदारी, उपस्थिति, योगदान और उनकी ताकत को सराहने, जश्न मनाने का दिन है महिला दिवस. महिला दिवस पर आप अपनी जिंदगी में मौजूद हर एक स्पेशल लेडी को खास गिफ्ट देकर ये जता सकते हैं कि आपकी लाइफ में उनका कितना महत्व है. डालें कुछ शानदार गिफ्ट्स आइटम पर एक नजर.
किताबें- कई महिलाएं किताबों की बेहद शौकीन होती हैं. उन्हें अच्छी-अच्छी बुक्स पढ़ने का शौक होता है. यदि आपके घर में आपकी मां, बहन, मौसी, चाची या फिर दोस्त को किताबें पढ़ने का शौक है, उन्हें सहेजना, कलेक्ट करने की हॉबी है तो फिर बुक्स से बेहतर उनके लिए कोई दूसरा सामान नहीं हो सकता है. यह एक ऐसा तोहफा है, जो वर्षों आपके साथ रहता है. आप चाहें तो फिक्शन-नॉन फिक्शन, कॉमेडी, कविता, उपन्यास, कला और साहित्य जगत से संबंधित कोई भी किताब गिफ्ट कर सकते हैं. आप उनकी फेवरेट राइटर की किताब देंगे तो उनके चेहरे पर मुस्कुराहट जरूर आ जाएगी.
हरे-भरे पौधे करें गिफ्ट- आजकल गिफ्ट्स में एक-दूसरे को तरह-तरह के प्लांट्स देने का ट्रेंड भी काफी बढ़ गया है. यह एक बेहतरीन गिफ्ट आइडिया इसलिए भी है, क्योंकि इसे देखते ही सामने वाले का मूड फ्रेश हो जाएगा. घर में हरियाली होने से पॉजिटिव सोच और एनर्जी भी मिलती है. घर का वातावरण फ्रेश बना रहता है. यदि आपके घर में किसी भी लेडी को प्लांट लगाने और इंडोर पौधे रखने का शौक है तो ये गिफ्ट उन्हें जरूर दें. साथ ही आप फूलों का गुलदस्ता भी दे सकते हैं.
गिफ्ट हैंपर दें- आजकल हैंपर देने का भी ट्रेंड खूब है. लोग अपनों को उनके फेवरेट आइटम्स को एक साथ पैक करा कर हैंपर

तैयार कराते हैं और स्पेशल ओकेजन पर बतौर तोहफा प्रजेंट करते हैं. आप भी हैंपर में मेकअप आइटम, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, ड्राई फ्रूट्स, चॉकलेट्स आदि चीजें मिक्स-मैच करके डलवाएं और अपनी फेवरेट लेडी को वुमेंस डे पर गिफ्ट करते हुए इस दिन की ढेरों बधाई दें.
घड़ी, मोबाइल करें गिफ्ट- यदि आपकी बहन, मां या फिर दोस्त को घड़ी या मोबाइल की जरूरत है तो उन्हें ये गिफ्ट देकर उन्हें सरप्राइज कर सकते हैं. हो सकता है आपकी बहन या मम्मा का मोबाइल सही से चल ना रहो हो और उन्हें नया खरीदना हो. यह नेक काम आप भी कर सकते हैं. आए दिन तरह-तरह के स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच लॉन्च होते हैं. अपने बजट के अनुसार ये गिफ्ट खरीदने का सोच सकते हैं.
इयरबड्स भी देना है बेस्ट आइडिया- आजकल इयरबड्स का इस्तेमाल भी लोग खूब करते हैं. यह फायदेमंद भी है, क्योंकि ड्राइव करते समय कान में इसे लगाकर आप किसी से भी फोन पर आराम से बात कर सकते हैं. गाने सुन सकते हैं. गिफ्ट में टेक की चीजें पाकर कोई भी खुश हो जाएगा. साथ ही इन्हें सेलेक्ट करने में भी पसंद-नापसंद वाली समस्या नहीं आती है. हां, बजट जितना हो, उसी के अंदर आप टेक आइटम खरीद कर गिफ्ट करें.
हैंडबैग दें- महिलाओं के पास जितनी वेरायटी के हैंडबैग हों, उतना ही उनके लिए कम होता है. तो क्यों ना आप उनके कलेक्शन में एक और स्टाइलिश डिजाइन का हैंडबैग शामिल कर दें. शॉपिंग मॉल में ढेरों ब्रांडेड बैग्स उचित दामों में उपलब्ध होते हैं. आप चाहें तो ऑनलाइन भी शॉपिंग कर सकते हैं.
जूलरी, ड्रेस- महिलाओं को जूलरी और कपड़ों का बेहद शौक होता है. शॉपिंग के लिए जब वे घर से निकलती हैं तो कुछ ना कुछ इनमें से खरीद ही लेती हैं. आपको लग रहा है कि आपके घर में किसी भी लेडी को कपड़ों या जूलरी की जरूर है तो आप जरूर खरीद कर गिफ्ट करें. उनका दिन बन जाएगा.

# मोहल्ला क्लीनिक्स के लिए डॉक्टरों की निकली वैकेंसी

## हर बुधवार होगा इंटरव्यू; पूरी जानकारी के लिए पढ़िये खबर

दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक में डाक्टरों के लिए वैकेंसी निकली है। इनकी नियुक्ति वॉक-इन इंटरव्यू के जरिए हो रही है। इसकी जानकारी खुद मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक्स के जरिए दी थी। यहां उन्होंने बताया है कि इंटरव्यू हर हफ्ते के बुधवार को दोपहर 2 बजे होगा। इच्छुक लोग वेन्यू पर पहुंचकर इंटरव्यू दे सकते हैं लेकिन उन्हें अपने साथ जरूरी दस्तावेज भी लाने होंगे।

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य सेवा निदेशालय इन दिनों मोहल्ला क्लीनिक में बड़े स्तर पर डॉक्टरों की नियुक्ति की पहल की है। इसके तहत वॉक-इन इंटरव्यू के आधार पर डॉक्टर नियुक्त किए जा रहे हैं। इच्छुक डॉक्टर प्रत्येक सप्ताह के बुधवार को जिले के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी (सीडीएमओ) कार्यालय पहुंचकर मोहल्ला क्लीनिक से जुड़ने के लिए साक्षात्कार दे सकते हैं।

दिल्ली में अभी करीब 530 मोहल्ला क्लीनिक है। प्रत्येक सप्ताह सोमवार से शनिवार को सुबह आठ बजे से दो बजे तक छह घंटे मोहल्ला क्लीनिक का संचालन होता है।

**प्रति मरीज मिलेंगे 40 रुपये**

मोहल्ला क्लीनिक में नियुक्त किए जाने वाले डॉक्टरों को प्रति मरीज 40 रुपये दिल्ली सरकार भुगतान करेगी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है।

प्रत्येक बुधवार को दिल्ली के सभी 11 जिलों के सीडीएमओ कार्यालय में दोपहर ढाई बजे से शाम पांच बजे तक साक्षात्कार होगा। एमबीबीएस डाक्टर और सेवानिवृत्त डॉक्टर भी नियुक्त किए जा सकेंगे।

**अनिवार्य योग्यता**

**न्यूनतम योग्यता-** MBBS

दिल्ली मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन

कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं है।

भुगतानः 40 रुपये/मरीज

**इंटरव्यू डिटेल**

दिन- हर बुधवार

समय- दोपहर 2:00 बजे

वेन्यू- हर जिले के सीडीएमओ ऑफिस में

**जरूरी दस्तावेज जिनके वास्तविक और फोटोकॉपी लाने हैं साथ-**

एमबीबीएस डिग्री

दिल्ली मेडिकल काउंसिल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट

पहचान और पते का प्रूफ

एक्सपीरिएंस सर्टिफिकेट अगर कोई हो तो

**नोट :** -नियुक्ति आपके डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और इंटरव्यू में परफॉरमेंस के आधार पर होगी

-नियुक्त हुए डॉक्टर को सीडीएमओ द्वारा एलोकेट किए मोहल्ला क्लीनिक में ही कार्य करना होगा।

**निम्न पते पर होंगे इंटरव्यू**

**Address of CDMO Offices**

| Sl.No. | District Name | Complete Address of CDMO Office |
|---|---|---|
| 1. | New Delhi | Office of the CDMO, New Delhi District, Dte. of Health Srvices, Govt. of NCT of Delhi, 2nd Floor, Delhi govt. Dispensary Building, Nangal Raya, New Delhi-110 046. |
| 2. | South | Office of the CDMO, South District, Dte. of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, 1st Floor, Delhi Govt. Dispensary Building, Begumpur (Opp. Malviya Nagar), New Delhi-110 017. |
| 3. | South-East | Office of the CDMO, South-East District, Dte. Of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, 1st Floor, Delhi Govt. Dispensary Building, PVR Saket, New Delhi-110 017. |
| 4. | North-West | Office of the CDMO, North-West District, Dte. Of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, 1st Floor, Delhi Govt. Dispensary Building, Sector-13, Rohini, Delhi-85. |
| 5. | South-West | Office of the CDMO, South-West District, Dte. of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, Delhi Govt. Dispensary Building, Sector-2, Dwarka, Near Bhaskaracharya College of Applied Sciences, New Delhi-75. |
| 6. | West | Office of the CDMO, West District, Dte. of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, Delhi Govt. Dispensary Building, A-2, Paschim Vihar, Opp. Radha Krishna Mandir, New Delhi-63. |
| 7. | North | Office of the CDMO, North District, Dte. of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, Delhi Govt. Dispensary Building, 1st Floor, Gulabi Bagh, Delhi-7. |
| 8. | East | Office of the CDMO, East District, Dte. of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, Delhi Govt. Dispensary Building, A- Block, Surajmal Vihar, Delhi-92. |
| 9. | Central | Office of the CDMO, Central District, Dte. of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, Delhi Govt. Dispensary Building, Gali No.4, Bagichi Allaudin, Nabi Karim, Pahar Ganj, New Delhi-55. |
| 10 | North-East | Office of the CDMO, North-East District, Dte. of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, A-14/G-1, DDA Flats, Dilshad Garden, Delhi-110 095. |
| 11. | Shahdara | Office of the CDMO, Shahdara District, Dte. of Health Services, Govt. of NCT of Delhi, Working women's Hostel, D-Block, Jhilmil, Delhi-110095 |

# अमन विहार में डीलर ने युवती को छत से फेंका

परिवहन विशेष न्यूज

**एसडी सेठी।** दिल्ली के उत्तर पश्चिम इलाके के अमन विहार में एक डीलर ने नाबालिग लडकी को छत से नीचे फेंक दिया। इस बावत छत से नीचे फेंकने की वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। डीलर फरार है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी पेशे से प्रोपर्टी डलर है। प्रात जानकारी के मुताबिक नाबालिग लडकी और डीलर के बीच प्रोपर्टी के कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों एक छत पर खडे होकर झगडा कर रहे थे।लडकी प्रोपर्टी पर आरोपी द्वारा कब्जे का विरोध करना इतना भारी पडा कि उक्त आरोपी शख्स ने उसकी पिटाई कर दी और उसे छत से नीचे फेंक दिया। लडकी इस वक्त अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। इस वारदात को देखने वालों ने आरोपी को पुलिस में सरेंडर करने को कहा तो वह गाली गलौज करने लगा।उसने धमकी भरे लहजे में कहा कि जो करना है कर लो फिर छूट कर आ जाऊंगा। वायरल विडिओ में दोनों छत पर खडे होकर झगड़ते दिख

रहे है। इतने में उक्त आरोपी ने लडकी की पिटाई कर दी और उसे छत से नीचे फेंक दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मारपीट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर लिया है वहीं घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस उसको पकडने के लिए दंबिश दे रही है। इस बावत रोहिणी डीसीपी ने बताया कि शिक़ायतकर्ता के बयान के आधार पर। बीएनएस की धारा 115/126/(2)351(3)79 के तहत अमन विहार थाने में केस दर्ज कर लिया है। और जांच जारी है।

# तिहाड़ जेल में HIV के 125 जबकि सिफलिस के 200 मरीज सामने आए, 10 हजार कैदियों की कराई गई थी जांच

तिहाड़ जेल के 125 कैदियों के एचआईवी पीड़ित होने की खबर है। तिहाड़ जेल के नए महानिदेशक सतीश गोलचा के चार्ज लेने के बाद पिछले दो महीनों में तिहाड़ में बंद साढ़े दस हजार कैदियों की मेडिकल जांच करवाई गई थी। इनमें से 125 कैदी एचआइवी संक्रमित और 200 कैदियों में सिफलिस की बीमारी मिली है। इस दौरान टीबी का कोई भी केस सामने नहीं आया है।

**पश्चिमी दिल्ली।** तिहाड़ जेल में 125 कैदी एचआईवी संक्रमित और 200 कैदियों में सिफलिस की बीमारी मिली है। एचआईवी संक्रमित कैदी नए नहीं हैं। पहले से ये एचआईवी से ग्रसित हैं। सूत्रों के अनुसार, तिहाड़ जेल के नए महानिदेशक सतीश गोलचा के चार्ज लेने के बाद पिछले दो महीनों में तिहाड़ में बंद साढ़े दस हजार कैदियों की मेडिकल जांच करवाई गई थी। इनमें से 125 कैदी एचआईवी संक्रमित और 200 कैदियों में सिफलिस की बीमारी मिली है। इस दौरान टीबी का कोई भी केस सामने नहीं आया है।

**सभी कैदी पहले से एचआईवी पीड़ित थे**

हालांकि इन कैदियों को हाल ही में एचआईवी नहीं हुआ है। यह पहले से ही संक्रमित थे। वहीं इस बारे में जेल प्रशासन की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। बता दें कि जेल में आने से पहले कैदियों की मेडिकल जांच करवाई जाती है। जब ये कैदी जेल में आए थे, तभी से यह एचआइवी से ग्रस्ति थे।

# शुगर स्ट्रिप्स की तरह रैपिड कार्ड से हेपेटाइटिस बी की हो सकेगी तुरंत जांच

देश में करीब तीन करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से संक्रमित हैं लेकिन बहुत कम लोगों में बीमारी की पहचान हो पाती है। शुगर की जांच के लिए इस्तेमाल होने वाले स्ट्रिप्स जैसी रैपिड कार्ड से हेपेटाइटिस बी एंटीजन की तुरंत जांच हो सकेगी। डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह के रैपिड कार्ड टेस्ट हेपेटाइटिस बी की स्क्रीनिंग में ज्यादा मददगार हो सकते हैं।

**नई दिल्ली।** शुगर की जांच के लिए इस्तेमाल होने वाले स्ट्रिप्स जैसी रैपिड कार्ड से हेपेटाइटिस बी एंटीजन की तुरंत जांच हो सकेगी। आईएलबीएस (यकृत व पित विज्ञान संस्थान) ने एक ऐसे ही एचबीएसएजी 2 रैपिड कार्ड टेस्ट का ट्रायल किया गया, जो हेपेटाइटिस बी की पहचान में 90 प्रतिशत असरदार पाई गई है।

इस ट्रायल में शामिल डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह के रैपिड कार्ड टेस्ट हेपेटाइटिस बी की स्क्रीनिंग में ज्यादा मददगार हो सकते हैं और हेपेटाइटिस बी से संक्रमित अधिक मरीजों की पहचान कर इलाज शुरू किया जा सकता है। इससे हेपेटाइटिस को दूर करने में मदद मिलेगी।

आईएलबीएस के डॉक्टरों का यह अध्ययन हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल (यूरोएशियन जर्नल हेपैटोगैस्ट्रोइंटेराल) में प्रकाशित हुआ है। 120 लोगों के सैंपल पर यह ट्रायल किया गया। जिसमें से 46 हेपेटाइटिस बी पॉजिटिव व 74 हेपेटाइटिस बी निगेटिव लोगों के सैंपल थे।

इस ट्रायल में यह जांच बीमारी की पहचान करने में 90 प्रतिशत कारगर पाई गई। साथ ही इसके नतीजे 95.5 प्रतिशत सही पाए गए। इस ट्रायल में शामिल आईएलबीएस के क्लीनिकल वायरोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. एकता गुप्ता ने बताया कि हेपेटाइटिस बी की जांच के लिए रैपिड टेस्ट की सुविधा पहले से मौजूद है, लेकिन अब तक इस्तेमाल होने वाली जांच किट 60 से 70 प्रतिशत ही असरदार हैं।

# बारिश हो या गर्मी, लोगों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है - देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

**नई दिल्ली।** दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि लगातार मानसून की बारिश के बाद जब यमुना का पानी स्वच्छ और नदी साफ सुथरी दिखनी चाहिए, दिल्ली सरकार एक बार फिर यमुना में बढ़ते प्रदूषण और फास्फेट व नाईट्रेट की मात्रा बढ़ने से पानी में झाग ही झाग दिखाई देने के लिए अपनी जिम्मेदारियों को नकार कर नजदीकी राज्यों के औद्योगिक कचरे को यमुना में प्रदूषण बढ़ने का कारक बता रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार अपनी नाकामियों और अधिकारियों की निष्क्रियता को यमुना में बढ़ते प्रदूषण के लिए क्यों कारण नही मानती, जबकि पिछले 10 वर्षों में हजारों करोड़ रुपये यमुना सफाई के नाम पर भ्रष्टाचार की भेट चढ़ गए है।

उन्होंने कहा कि यमुना में बढ़ते प्रदूषण से पानी के सफेद दिखने पर दिल्ली सरकार को चिंता नही प्रदूषण नियंत्रित करके अमोनिया के स्तर को कम करने के उपाय करने चाहिए। 1370 किमी लम्बी यमुना पल्ला से कांलिदी कुंज तक 54 किमी दिल्ली में बहती है जिस पर जलापूर्ति के लिए दिल्ली की ढाई करोड़ जनसंख्या निर्भर है। उन्होंने कहा कि वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक 22 किमी के हिस्से में 76 प्रतिशत प्रदूषण इसी हिस्से में होता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते जल प्रदूषण को नियंत्रित करने में फेल केजरीवाल दिल्ली की ढ़ाई जनसंख्या के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले 3-5 दिनों से यमुना में अमोनिया का स्तर बढ़ने के कारण दिल्ली भीष्ण गर्मी के बाद मानसून में भी जल संकट का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के जल सयंत्रों में 0.9 पीपीएम ;पार्ट्स पर मिलियनद्ध तक अमोनिया शोधित करने की क्षमता है और वजीराबाद जलाश्य में अमोनिया का स्तर 2.3 पार्टस पर मिलियन से अधिक पहुँच गया है। उन्होंने कहा कि बढ़ते अमोनिया के कारण मुनक नहर से क्षमता से कम पानी मिल है, जिससे वजीराबाद, चंद्रावल, हैदरपुर और बवाना का जल संयत्र पूरी तरह प्रभावित हो रहे है। प्रतिदिन 52 एमजीडी पानी कम मिलने के कारण बाहरी दिल्ली, मध्य दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली के कई क्षेत्र पेयजल संकट झेल रहे है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार यमुना में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए यदि दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम को सुधार कर दिल्ली के 201 प्राकृतिक नालों से गिरने वाले कचरे और सीवरेज के पानी को संशोधित करने के लिए योजना बनाऐ। यमुना में प्रदूषण का कारण उत्तर प्रदेश और हरियाणा के औद्योगिक कचरे के गिरने के कारण कितना प्रतिशत है इसका आंकलन करके यमुना के जल को संशोधित करके दिल्लीवालों के लिए अधिक मात्रा में उपलब्ध करा सकती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सराकर नजफगढ़ नाला, बारापुला नाला और यमुनापार नाला से गिरने वाले अशुद्ध जल को यमुना में गिरने संशोधित करने की कोई परिपक्व योजना बनाऐ, जिसमें केजरीवाल सरकार पूरी तरह विफल रही है।

# दिल्ली में लोगों के घरों में हो रही नीले रंग के पानी की आपूर्ति, हरकत में आप सरकार; आतिशी ने दिए जांच के आदेश

परिवहन विशेष न्यूज

राजधानी दिल्ली के पीरागढ़ी इलाके के कई घरों में नीले रंग रंग की पानी की आपूर्ति हो रही है। जैसे ही इसकी शिकायत की गई। दिल्ली सरकार हरकत में आई। जल मंत्री आतिशी ने तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने यह पता लगाने को कहा है कि आखिर नीले रंग के पानी की आपूर्ति कैसे हो रही है। उन्होंने सोमवार तक रिपोर्ट देने को कहा।

**नई दिल्ली।** पीरागढ़ी में लोगों के घरों में नीले रंग का झागदार पानी आपूर्ति होने की शिकायत को दिल्ली सरकार ने गंभीरता से लिया है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इसकी जांच कर सोमवार शाम तक रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। यह सुनिश्चित करने को कहा है कि भविष्य में दूषित पेयजल की आपूर्ति न हो।

मंत्री ने मुख्य सचिव को जारी निर्देश में लिखा है कि इंटरनेट मीडिया के माध्यम से उनके संज्ञान में आया है कि पीरागढ़ी के कुछ घरों में नीले रंग का झागदार पानी की आपूर्ति हो रही है। यह बहुत गंभीर है। इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की जरूरत है। इस मामले में तत्काल संबंधित विभागों के के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई जाए।

**उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई**

उन्होंने चिट्ठी में यह पता लगाने की जरूरत है कि आखिर कैसे घरों में इस तरह का दूषित पानी पहुंच रहा है। आस पास स्थित औद्योगिक इकाइयों की भी जांच होनी चाहिए जिससे कि पता चले की प्रदूषण रोकथाम के मानक का पालन हो रहा है या नहीं। उल्लंखन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

# यूट्यूबर्स पर नकेल, बिल लाएगी सरकार, बनेगें नियम

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

बढते मिडिया से परेशान सरकार अब यूट्यूबर्स पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। इस तैयारी के तहत सरकार बिल लाएगी और कडे नियम भी बनाएगी। दरअसल 2024 संस्करण में डिजिटल मीडिया समाचार प्रसारक नामक श्रेणी की शुरुआत करके उन्हें कानून के दायरे में लाने का प्रस्ताव है। ब्राडकास्टर बिल के नए मसौदे में न्यूज इंफुल्यूएंस को ब्राडकास्टर की श्रेणी में रखा जा सकता है।इसमें उसके लिए डिजिटल समाचार प्रसारक की श्रेणी हो सकती है। यह ब्राडकास्ट सेवा नियमन बिल-2024 का दूसरा मसौदा है, जो मौजूदा केबल टीवी नेटवर्क कानून-1995 की जगह लेगा।इस बिल का मसौदा राय लेने के लिए हितधारको से सांझा किया गया है। इसमें कहा गया है कि जो लोग नियमित रूप से सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करते है, पॉडकास्ट बनाते है, या ऑनलाइन करंट अफेयर्स के बारे में लिखते है, उन्हे डिजिटल समाचार प्रसारको के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। बता दें कि जब विधेयक पहली बार-2023 में सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया गया था ,तो इसमें प्रसारक के लिए सभी विनियमों को एक कानून के तहत संयोजित करने का प्रावधान किया गया था। शुरू से यह चिंता का विषय रहा है कि क्या ऑनलाइन समाचार सामग्री निर्माता, जो विरासत मीडिया से जुडे नहीं है, स्ट्रीमिंग

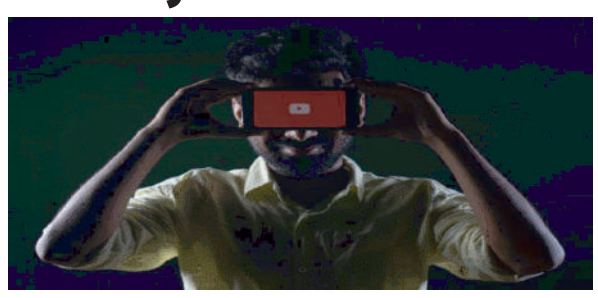

प्लेटफार्म (ओटीटी प्रसारण सेवाए पर लगाए गए दायित्वो को आकर्षित कर सकते हैं या नहीं। 2024 संस्करण में डिजिटल समाचार प्रसारक नामक नई श्रेणी की शुरुआत करके इन्हें कानून के दायरे में लाने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि नया मसौदा "समाचार और समसामयिक मामलो के कार्यक्रमों" को भी परिभाषित करता है।जिसमें मसौदा "श्रव्य, दृश्य, या सामाग्री, संकेत लेखन, छवियों के अलावा "पाठ" भी शामिल है।

कार्यक्रम और प्रसारण की परिभाषाओ को भी क्रमश पाठ और पाठ्य कार्यक्रम को शामिल करने के लिए संशोधित किया गया है।संक्षेप में सभी समाचार से संबंधित ऑनलाइन सामग्री सोशल मिडिया ,वेबसाइटों , न्यूजलेटर्स पॉडकास्ट पर वीडियो और कमेंट्री इस बिल के अंतर्गत आती है। बता दें कि यह बिल अभी सलाह मशविरे के लिए रखा गया है और संसद में पेश होने से पहले इसे कैबिनेट की मंजूरी भी मिलनी होगी। ये प्रस्तावित प्रावधान एक व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जो स्ट्रीमिंग सेवाओ और डिजिटल समाचार प्रसारको में संबंधित मध्यस्थो और सोशल मीडिया मध्यस्थ के लिए नए दायित्वो का भी परिचय देते है और 2023 में प्रसारित अंतिम संस्करण से एक बडे बदलाव में ,ऑनलाइन विज्ञापन को लक्षित करने वाले प्रावधान है। नई परिभाषा के तहत स्ट्रीमिंग सेवाओ के संदर्भ में ओटीटी प्रसारण सेवाए अब ' इंटर्नेट प्रसारण सेवाओ की परिभाषा का हिस्सा नहीं है।ओटीटी प्रसारण सेवा की परिभाषा को भी संशोधित किया गया है। जिसके तहत न केवल नेटफिलिक्स और अमेजोन प्राइम वीडियो ,बल्कि सामग्री निर्माता जो नियम नियमित रूप से सोशल मीडिया पर अपनी सामग्री अपलोड करते है ।वे भी निश्चित रूप से ओटीटी प्रसारण सेवाए हो सकते है। यहां ये बता दे कि नया विधेयक सरकार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मो और आनलाईन विज्ञापन मध्यस्थों के लिए अलग-अलग उचित परिश्रम, दिशानिर्देश निर्धारित करने की अनुमति देता है। बहरहाल सरकार अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करें।

# संस्कारशाला : परिवार के साथ समय बिताने का महत्व

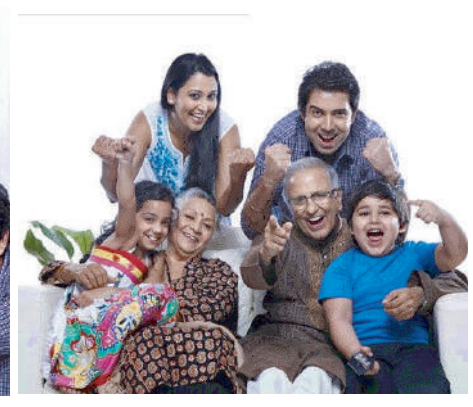

प्रियंका श्रीवास्तव

आज के व्यस्त जीवन में, जहां चारों ओर शोर, विकर्षण और कर्तव्यों का दबाव है, हमें यह समझना चाहिए कि हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण क्या है। इस सारे हलचल के बीच, हमारा छोटा परिवार हमारी स्थिरता, हमारी चट्टान और हमारी सुरक्षित जगह है। वे ही हैं जो हमारे जीवन में खुशी, प्रेम और अर्थ लाते हैं।

इसलिए, एक कदम पीछे हटें, गहरी सांस लें, और शोर को मिटा दें। याद रखें, आपका परिवार आपकी प्राथमिकता है। उनके मुस्कान, गले मिलना और हंसी आपके हर दिन को उज्जवल बनाते हैं। उनका प्रेम और समर्थन आपको शक्ति और साहस प्रदान करता है।

काम, सोशल मीडिया या अन्य जिम्मेदारियों को आपके ध्यान को उस चीज़ से दूर नहीं करना चाहिए जो वास्तव में महत्वपूर्ण है। आपका परिवार आपको चाहता है, और आपको उनकी जरूरत है। उन पलों में उपस्थित रहें जो महत्वपूर्ण हैं - सोने की कहानियाँ, परिवार के साथ खाना, मजेदार चुटकुले, और आरामदायक फिल्मी रातें।

हर पल, हर हंसी, और हर आंसू की कद्र करें। आपका छोटा परिवार हर दिन बढ़ रहा है और बदल रहा है, और ये पल हमेशा के लिए नहीं रहेंगे। प्रेम, गले मिलना और यादों को संजोएं। परिवार की परंपराओं को बनाएं, नई परंपराएं बनाएं, और उन्हें पीढ़ियों तक संजोएं।

जब बाहरी दुनिया कठिन लगती है, तो आपका परिवार आपका आश्रय है। वे आपके सच्चे दोस्त हैं, आपके अपराध में साथी, और आपके सबसे बड़े प्रशंसक हैं। इसलिए, अपने छोटे परिवार पर ध्यान केंद्रित करें, और बाकी सब कुछ पृष्ठभूमि में धुंधला हो जाए।

याद रखें, आपके परिवार के लिए आपका प्रेम और ध्यान सबसे बड़ा उपहार है। उन्हें प्राथमिकता देकर, आप एक खुशहाल, विश्वासपूर्ण और रोमांचक जीवन के लिए मजबूत नींव बना रहे हैं। अपने छोटे परिवार पर ध्यान केंद्रित करते रहें - वे

# फिल्मी स्टाइल में कार के बोनट पर शख्स को बैठाकर थाने में घुसा चालक, वीडियो वायरल

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में ऑल्टो कार के बोनट पर एक व्यक्ति को बैठाकर थाने में घुसने का वीडियो इन दिनों वायरल हो रहा है। कार चालक शालीमार गार्डन थाने में घुस गया। दो दिन बाद इसका वीडियो वायरल होने के बाद शनिवार को पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है। दरअसल बाइक सवार का कार सवार से पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया था।

**गाजियाबाद।** ऑल्टो कार के बोनट पर एक व्यक्ति को बैठाकर चालक शालीमार गार्डन थाने में घुस गया। दो दिन बाद इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद शनिवार को पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है। दरअसल बाइक सवार का कार सवार से पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया था।

इंटरनेट मीडिया पर 32 सेकेंड का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा व्यक्ति काले रंग की आल्टो कार के बोनट पर बैठा है। बोनट पर बैठकर वह चिल्ला रहा है। वह चालक से कार रोकने के लिए बोल रहा है। चालक कार को लेकर शालीमार गार्डन थाने में घुस जाता है।

**कार रोकने के लिए बोनट पर बैठता है शख्स**

इस वीडियो के सामने आने पर पता चला कि बृहस्पतिवार को थाने से कुछ दूरी बाइक सवार व्यक्ति ने कार चालक को रोका था। दोनों के बीच पैसों का विवाद था। बाइक सवार ने अपनी बाइक खड़ी कर दी। कार चालक वहां से जाने लगा। तभी बाइक सवार व्यक्ति कार के आगे खड़ा हो जाता है। वह कार को रोकने के लिए बोनट पर बैठ जाता है।

इस दौरान चालक कार को लेकर थाने पहुंच गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर थाने भेज दिया था। उस दिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। दो दिन बाद शनिवार को वीडियो प्रसारित हुआ तो पुलिस हरकत में आई। थाना कार्यालय पर तैनात मुख्य आरक्षी मनोज कुमार की ओर से मुकदमा दर्ज कराया है।

**कार चालक का पता नहीं लगा पाई पुलिस**

पुलिस ने गाड़ी नंबर प्लेट के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है लेकिन अभी पुलिस आरोपित कार चालक की तलाश नहीं कर पाई है। वहीं बोनट पर बैठे व्यक्ति तक भी पुलिस नहीं पहुंची। बताया गया कि जिस गति से आरोपित ने गाड़ी को थाने में घुसाया था उससे बड़ा हादसा हो सकता था। गनीमत रही कि उस दौरान थाने के गेट पर कोई फरियादी नहीं था।

दो पक्षों में पैसों के लेन-देन का विवाद की बात सामने आई है। कार चालक ने युवक को बोनट पर बैठाकर उसकी जान को खतरे में डाला है। रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

*– निमिष पाटील, पुलिस उपायुक्त, ट्रांस हिंडन जोन*

# टेलीग्राम से पार्ट टाइम जॉब ऑफर, ग्रुप पर जोड़ा और धीरे-धीरे ठगे 2.89 करोड़ रुपये; फिर सामने आया आईसीआईसीआई कर्मी का हाथ

गुरुग्राम से एक बार फिर एक बड़ी साइबर ठगी की घटना सामने आई है। यहां एक शख्स को पार्ट टाइम जॉब देने के नाम पर एक टेलीग्रीम ग्रुप से जोड़ा गया और फिर धीरे-धीरे उससे दो करोड़ 89 लाख रुपये जमा करा लिए गए। जब तक वह समझ पाता कि उसके साथ ठगी हो रही है तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

**गुरुग्राम।** साइबर ठगों ने पार्ट टाइम जॉब के नाम पर गुरुग्राम निवासी एक युवक से बीते दिनों दो करोड़ 89 लाख रुपये की ठगी की। इस मामले की जांच के दौरान साइबर थाना पूर्वी पुलिस ने बैंक कर्मचारी समेत तीन आरोपितों को मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक आरोपित ने दूसरे के नाम पर आईसीआईसीआई बैंक में कर्मचारी से मिलकर खाता खुलवाया और साइबर ठगों को बेच दिया था। डीसीपी साइबर क्राइम सिद्धांत जैन ने बताया कि सात जून को साइबर थाना पूर्वी में एक युवक ने धोखाधड़ी की शिकायत दी थी।

**11 मई को टेलीग्राम से मिला जॉब का ऑफर**

उसने बताया कि 11 मई को टेलीग्राम एप पर इशिका रेड्डी नाम की युवती ने उससे संपर्क किया और अपने को ट्रवेल एजेंसी का कर्मचारी बताकर पार्ट टाइम जॉब का ऑफर दिया। इसके बाद इस युवक को ग्रुप से जोड़ दिया गया और प्रतिदिन कमाई के लिए पैसा जमा करने को कहा गया। कई बार में इसने दो करोड़ 89 लाख रुपये जमा कर दिए। इसके बाद इसे धोखाधड़ी का अहसास हुआ। शिकायत के बाद साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस तकनीकी की सहायता से शुक्रवार को तीन आरोपितों को मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान उत्तर प्रदेश के ललितपुर निवासी जितेंद्र, राजस्थान के नागौर निवासी आशीष जैन व इंदौर निवासी उत्सव चतुर्वेदी के रूप में की गई।

**आशीष ने जितेंद्र के नाम पर खुलवाया था खाता**

पुलिस जांच में पता चला कि आशीष जैन दुकान चलाता है। इसके पास जितेंद्र पटेल लोडिंग/अनलोडिंग का काम करता है। आशीष ने जितेंद्र का बैंक खाता फर्म के नाम से आईसीआईसीआई बैंक में उत्सव की मदद से खुलवाया। उस समय उत्सव बैंक में असिस्टेंट मैनेजर था। इस बैंक खाते को आशीष ने अपने एक अन्य साथी को 25 हजार रुपये में बेच दिया था। इस केस में ठगी गई राशि में से 60 लाख 13 हजार रुपये जितेंद्र के खाते में ट्रांसफर किए गए थे। जांच में यह भी पता चला कि उत्सव ने दिसंबर 2023 में आईसीआईसीआई बैंक में नौकरी छोड़ दी थी।

दिसंबर से जून तक इसने इंदौर में ही एक अन्य बैंक में काम किया। पुलिस टीम आरोपितों से अन्य साथियों और वारदात के बारे में पूछताछ कर रही है। जल्द ही और भी नाम सामने आ सकते हैं।

**अब तक पकड़े गए बैंक कर्मचारी**

26 फरवरी : मोहित राठी, महेश और विश्वकर्मा मौर्या (कोटक महिंद्रा गुरुग्राम)
2 मार्च : मो. मुकीम, अनिकेश, रोशन (यस बैंक दिल्ली)
11 मार्च : दीपक, धर्मेंद्र (यस बैंक, रोहिणी, दिल्ली)
1 अप्रैल : अमित (आरबीएल, हौज खास, दिल्ली)
8 अप्रैल : जेलदार बरार (एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक)
10 अप्रैल : हिमांशु गंगवार (यस बैंक, राजेंद्र प्लेस दिल्ली)
10 मई : देवेंद्र शर्मा (पीएनबी, जयपुर)
20 मई : यूसुफ मोहम्मद चांद (यस बैंक, अंधेरी, मुंबई)

# लाइसेंस बनवाने वालों के लिए जरूरी खबर, ड्राइविंग टेस्ट देने की बदल गई जगह; एक अगस्त से नियम लागू

नोएडा के उन लोगों के लिए जरूरी खबर है। जो स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना चाहते हैं। अब उन्हें ऑनलाइन आवेदन के बाद टेस्ट के लिए एआरटीओ कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा। परिवहन आयुक्त के आदेश के बाद एक अगस्त से यहां पर लाइसेंस नहीं बनेगा। अब इसके लिए सभी को दादरी के पास बिसाहड़ा सेंटर पर जाना होगा।

**नोएडा।** स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के बाद अब टेस्ट के लिए नोएडा एआरटीओ कार्यालय नहीं जाना होगा। एक अगस्त से टेस्ट के लिए आवेदकों को दादरी के बिसाहड़ा स्थित शिवम मार्वल मोटर ट्रेनिंग सेंटर जाना होगा।

यहां प्रतिदिन 300 टेस्ट के लिए मुख्यालय की ओर से स्लाट प्रत्येक कार्यदिवस के लिए आवंटित होंगे। हालांकि प्रत्येक माह 3187 स्थाई लाइसेंस के लिए टेस्ट होता है। एआरटीओ प्रशासन सियाराम वर्मा ने बताया कि परिवहन आयुक्त के आदेश के बाद एक अगस्त से अब किसी भी आरटीओ या एआरटीओ कार्यालय में स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस का कार्य नहीं होगा।

आवेदकों को आनलाइन आवेदन करना होगा। निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद ड्राइविंग टेस्ट के लिए समय और तिथि का निर्धारण होगा। इसके बाद आवेदकों को एआरटीओ कार्यालय आकर टेस्ट देना होता था, अब एक अगस्त के बाद आवेदकों को स्थाई लाइसेंस के टेस्ट के लिए एआरटीओ कार्यालय नहीं आना होगा।

इसके लिए दादरी के पास बिसाहड़ा स्थित सेंटर पर जाना होगा। ऑनलाइन मिलने वाले आवेदनों की स्क्रूटनी का कार्य एआरटीओ कार्यालय में होगा। टेस्ट बिसाहड़ा में होगा। वहीं से टेस्ट में पास या फेल होने का नतीजा मिलेगा। टेस्ट में सफल आवेदकों के लाइसेंस लखनऊ से प्रिंट होने के बाद आवेदक के पते पर पहुंचेंगे।

# गौतमबुद्ध नगर में दो अगस्त को रहेगा अवकाश, सभी स्कूल-कॉलेज और दफ्तर रहेंगे बंद

गौतमबुद्ध नगर में 2 अगस्त को स्थानीय अवकाश की घोषणा की गई है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सावन मास की शिवरात्रि जलाभिषेक के तीन अगस्त के अवकाश को निरस्त कर दिया है। इसकी जगह जिला प्रशासन दो अगस्त शुक्रवार को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। दो अगस्त को जिले के सभी स्कूल-कॉलेज के साथ सरकारी कार्यालय में अवकाश रहेगा।

**ग्रेटर नोएडा।** गौतमबुद्ध नगर में 2 अगस्त को स्थानीय अवकाश की घोषणा की गई है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सावन मास की शिवरात्रि जलाभिषेक के तीन अगस्त के अवकाश को निरस्त करते हुए दो अगस्त शुक्रवार को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। दो अगस्त को जिले के सभी स्कूल-कॉलेज के साथ सरकारी कार्यालय में अवकाश रहेगा।

जिलाधिकारी ने इस संबंध में ज्ञापन जारी किया है। हालांकि इस दौरान ट्रैफिक को लेकर निर्देश पुराना ही जारी रहेगा। कांवड़ यात्रा के गुजरने के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी यातायात को रोककर कांवड़ियों को रास्ते दिखाने का काम करेंगे। लोग हेल्पलाइन नंबर 9971009001, वाट्सएप नंबर 7065100100 व ट्विटर हैंडल @ noidatraffic से संपर्क कर सकते हैं।

**कांवड़ियों के लिए ट्रैफिक डायवर्जन**

-दिल्ली-बदरपुर बार्डर ओखला बैराज से नोएडा होकर बाया गाजियाबाद होकर बुलंदशहर, हापुड़, मुरादाबाद जाने वाले भारी, मध्यम व हल्के वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रयोग करेंगे।

-दिल्ली से डीएनडी फ्लाईओवर होकर नोएडा से बाया गाजियाबाद होकर बुलंदशहर, हापुड़, मुरादाबाद जाने वाले भारी, मध्यम व हल्के वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रयोग करेंगे।

-चिल्ला रेड लाइट होकर गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद जाने वाले भारी, मध्यम व हल्के वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रयोग करेंगे।

-एमपी-01 मार्ग पर बने एलिवेटेड से होकर गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद जाने वाले भारी, मध्यम व हल्के वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रयोग करेंगे।

-एनआईबी, माडल टाउन, छिजारसी, ताज हाइवे से होकर गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद जाने वाले भारी, मध्यम व हल्के वाहनों को वापस कर ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे से चलेंगे।

-अलीगढ, बुलन्दशहर, सिकंद्राबाद से दादरी एनएच-91 होकर गाजियाबाद, दिल्ली की ओर जाने वाले भारी, मध्यम व हल्के मालवाहक वाहन ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग करेंगे।

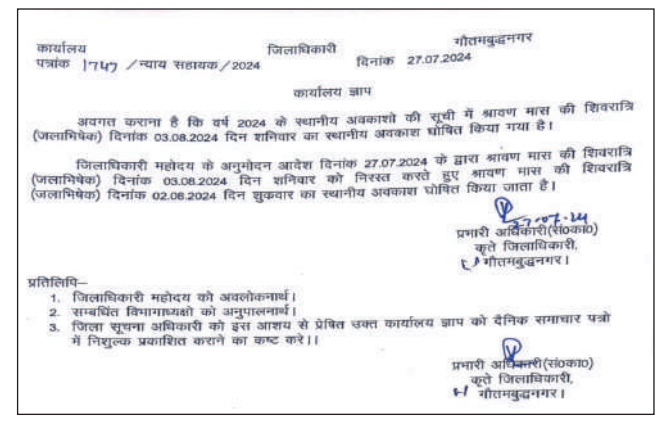

कार्यालय जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर
पत्रांक 1747 /न्याय सहायक/2024 दिनांक 27.07.2024

कार्यालय ज्ञाप

अवगत कराना है कि वर्ष 2024 के स्थानीय अवकाशों की सूची में श्रावण मास की शिवरात्रि (जलाभिषेक) दिनांक 03.08.2024 दिन शनिवार का स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

जिलाधिकारी महोदय के अनुमोदन आदेश दिनांक 27.07.2024 के द्वारा श्रावण मास की शिवरात्रि (जलाभिषेक) दिनांक 03.08.2024 दिन शनिवार को निरस्त करते हुए श्रावण मास की शिवरात्रि (जलाभिषेक) दिनांक 02.08.2024 दिन शुक्रवार का स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है।

प्रभारी अधिकारी(संo काo)
कृते जिलाधिकारी,
गौतमबुद्धनगर।

प्रतिलिपि–
1. जिलाधिकारी महोदय को अवलोकनार्थ।
2. सम्बंधित विभागाध्यक्षों को अनुपालनार्थ।
3. जिला सूचना अधिकारी को इस आशय से प्रेषित उक्त कार्यालय ज्ञाप को दैनिक समाचार पत्रों में निशुल्क प्रकाशित कराने का कष्ट करें।।

प्रभारी अधिकारी(संo काo)
कृते जिलाधिकारी,
गौतमबुद्धनगर।

# सत्ता के लिए समर्थन जुटाता बजट

*जनजातीय समुदाय के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए शुरू किए जा रहे इस अभियान के तहत जनजातीय परिवारों को सरकारी योजनाओं के संपूर्ण कवरेज का लक्ष्य रखा गया है। इसमें जनजाति बाहुल्य 63 हजार गांवों को शामिल किया जाना है और पांच करोड़ जनजातीय लोग लाभान्वित होंगे।*

बजट पेश होते ही महाराष्ट्र से शिवसेना उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने निशाना साधा कि यह बजट नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री बचाओ योजना का हिस्सा है। महाराष्ट्र के लिए कोई ऐलान नहीं किया गया। राज्य के विकास के लिए न कोई योजना न कोई फंड, महाराष्ट्र की उपेक्षा क्यों की गई'

मतदाताओं से सौदेबाजी करने में देश के सारे राजनीतिक दल एक जैसे हैं। सत्ता में आने के बाद राजनीतिक दल न सिर्फ हार का बल्कि जीत का हिसाब-किताब चुकता करने से नहीं चूकते। केंद्रीय बजट 2024 में ऐसा ही कुछ चुनावी राज्यों के साथ हुआ है। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हो चुके, बजट में उन्हें तो कुछ भी हाथ लगने का सवाल ही पैदा नहीं होता, लेकिन जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, केंद्र सरकार ने उनको भी अंगूठा दिखा दिया। हालांकि केंद्र सरकार का दावा है कि इस बजट में देश के सभी वर्गों और क्षेत्रो में संतुलन स्थापित किया गया है। इससे देश का सामूहिक और समान विकास होगा। इस बजट का ज्यादातर हिस्सा बिहार और आंध्रप्रदेश में चला गया। इससे बिगड़े संतुलन ने बाकी राज्यों का हिसाब बिगाड़ दिया। यह बजट गठबंधन की मजबूरी का बन कर रह गया, जिसमें बड़ा हिस्सा सिर्फ दो राज्यों तक सीमित होकर रह गया। गौरतलब है कि केंद्र की मौजूदा सरकार आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलगूदेशम और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल युनाइटेड की बैसाखियों पर टिकी है। दोनों मुख्यमंत्रियों ने विशेष राज्यों का दर्जा देने की मांग पर दबाव डाला। केंद्र ने इसकी पूर्ति बजट में अलग योजनाओं के लिए प्रावधान करके कर दी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने संसद में बजट तो पेश कर दिया, लेकिन अनुमान के मुताबिक बिहार और आंध्र प्रदेश ने केंद्र सरकार का बजट गड़बड़ा दिया।

बजट के बड़े हिस्से पर इन दोनों राज्यों का कब्जा हो गया है। बिहार को कुल 58 हजार करोड़ तो आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ का विशेष पैकेज का ऐलान करना पड़ा। बजट पर गठबंधन सरकार का असर साफ दिखा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु बाजी मार ले गए। एनडीए सरकार ने फिलहाल दोनों राज्यों को स्पेशल स्टेटस तो नहीं दिया, लेकिन उसके बदले सरकार को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। इसके एवज में उन राज्यों को नजरअंदाज करना पड़ा है, जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जोकि बीजेपी या एनडीए के लिए काफी अहम हैं। केंद्रीय बजट में चुनाव वाले राज्य हरियाणा, महाराष्ट्र या झारखंड ही नहीं, बल्कि कई और अहम क्षेत्रों के लिए घोषणा नहीं हो सकी। बिहार-आंध्र के लिए विशेष पैकेज का असर यहां भी दिखा। विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। उम्मीद थी कि बजट में नई ट्रेनों का ऐलान होता, लेकिन नहीं हुआ। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी राज्यों को बजट से बहुत उम्मीदें थीं। इन राज्यों के लिए बजट मिलना तो दूर, कोई उम्मीद भी नहीं जगी। लोकसभा चुनावों में अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति के वोट छिटकने की चिंता भी नजर नहीं आई। अन्य पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए कोई खास योजना नजर नहीं आई। उम्मीद की जा रही थी कि उपचुनावों और 3 राज्यों में होने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में सरकार चुनावी राज्यों के लिए अपना खजाना खोल देगी। बजट में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू करने का ऐलान किया गया है।

जनजातीय समुदाय के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए शुरू किए जा रहे इस अभियान के तहत जनजातीय परिवारों को सरकारी योजनाओं के संपूर्ण कवरेज का लक्ष्य रखा गया है। इसमें जनजाति बाहुल्य 63 हजार गांवों को शामिल किया जाना है और पांच करोड़ जनजातीय लोग लाभान्वित होंगे। जनजाति बाहुल्य झारखंड की कुल आबादी में करीब 27 फीसदी भागीदारी जनजातियों की है। ऐसे में इस योजना का लाभ भी झारखंड को मिलने की उम्मीद की जा सकती है। पर ये योजनाएं पार्टी की ब्रैंडिंग नहीं कर पाती हैं। जनता यह मानकर चलती है कि ये सरकारी योजनाएं हैं, यह तो मिलना ही था। अगर इनकी जगह पर कोई लोन, कोई छात्रवृत्ति, कोई सहायता जैसी योजना शुरू की गई होती तो उसकी बात अलग होती। इसी तरह चुनावी राज्यों में कोई बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा हो सकती थी। हरियाणा और महाराष्ट्र में किसानों के वोट बहुत महत्वपूर्ण हैं। भारतीय जनता पार्टी की जरूरत थी कि किसानों के लिए बजट में कुछ ऐसी घोषणाएं की जाएं जिससे उन्हें अपनी जीवनशैली में बदलाव होने की कुछ उम्मीद जग सके। सरकार ने कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों के लिए एक लाख 52 हजार करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। वित्त मंत्री ने उत्पादन बढ़ाने और जलवायु के अनुकूल किस्मों के विकास पर जोर देने के लिए कृषि अनुसंधान व्यवस्था की व्यापक समीक्षा का ऐलान करते हुए यह भी कहा है कि 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च पैदावार वाली और जलवायु अनुकूल किस्में जारी की जाएंगी। सवाल यह है कि किसान को पैदावार बढ़ाने से क्या मिलेगा, जब तक फसल के बिकने की व्यवस्था नहीं होगी। बजट में किसानों के लिए बहुत कुछ करने के वादे किए गए हैं। कोई भी एक वादा ऐसा नहीं है जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचता दिख रहा हो।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा है कि 6 करोड़ किसानों और उनकी जमीन के ब्यौरे रजिस्ट्री में दर्ज किए जाएंगे, राष्ट्रीय सहकारी नीति लाई जाएगी जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में तेजी आएगी। हरियाणा और महाराष्ट्र के लिए बजट में सीधे कोई ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन इन दोनों ही राज्यों की बड़ी आबादी कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों से जुड़ी है। हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड तीनों ही राज्यों में साल अंत तक विधानसभा का चुनाव होने वाला है। एनडीए हरियाणा और महाराष्ट्र में सत्ता बनाए रखने तो झारखंड में हेमंत सोरेन को सत्ता से बाहर करने की रणनीति में जुटा है। बीजेपी ने यहां चुनावी मुनादी कर दी, लेकिन बजट ने उसका खेल बिगाड़ दिया। विपक्ष इन राज्यों की उपेक्षा का आरोप लगाकर हमलावर है। चुनावों तक यह विरोध और भी तेज होने की संभावना जताई जा सकती है। महाराष्ट्र की तरह ही झारखंड राज्य के लिए भी अलग से इस बजट में कोई विशेष योजना या प्रावधान नहीं है, जबकि इस साल के अंत तक झारखंड में भी विधानसभा का चुनाव होने वाला है। हालांकि पूर्वोदय योजना, जिसे सरकार ने 'विकास भी विरासत भी' नाम दिया है, के तहत जिन पांच राज्यों को शामिल किया है, उनमें बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के साथ झारखंड राज्य भी है। पांच राज्यों में गौर करें तो इनमें ओडिशा में बीजेपी की सरकार बन चुकी है। लिहाजा प्रदेश को सरकार ने तोहफा दिया है।

बिहार और आंध्र प्रदेश को गठबंधन समझौते के तहत तवज्जो देना लाजिमी था, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें पश्चिम बंगाल को भी शामिल किया गया है, जहां निकट भविष्य में कोई चुनाव नहीं है, बल्कि हाल के उपचुनाव में बीजेपी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। बजट पेश होते ही महाराष्ट्र से शिवसेना उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने निशाना साधा कि यह बजट नहीं बल्कि प्रधानमंत्री बचाओ योजना का हिस्सा है। महाराष्ट्र के लिए कोई ऐलान नहीं किया गया। राज्य के विकास के लिए न कोई योजना न कोई फंड, महाराष्ट्र की उपेक्षा क्यों की गई? महाराष्ट्र में जल्द ही विधानसभा का चुनाव होने वाला है। लेकिन बजट में प्रदेश के हित से जुड़ी किसी योजना का ऐलान नहीं किया जा सका। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी ने भी कहा कि यह देश का बजट नहीं है। यह निश्चित है कि केंद्र में सत्ता में बने रहने की मजबूरी ने बजट को असंतुलित कर दिया। दो राज्य देश के दूसरे राज्यों पर भारी पड़ गए।

*योगेंद्र योगी*

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV Drive the Future

# बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को प्रदेश का पहला सोलर एक्सप्रेस-वे बनाने की तैयारी, 1700 हेक्टेयर में लगेगा प्लांट

परिवहन विशेष न्यूज

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को उत्तर प्रदेश का पहला सोलर एक्सप्रेस-वे बनाने की तैयारी है। इसको लेकर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने शुक्रवार 26 जुलाई को 6 कालीदास मार्ग स्थित कैंप कार्यालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की।

इसमें सोलर एक्सप्रेस-वे के निर्माण के संबंध में 9 अगस्त को लखनऊ में सभी हितधारकों व सौर ऊर्जा विशेषज्ञों के साथ सेमिनार और 10 अगस्त को प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्य के साथ ही प्रगति की समीक्षा बैठक व निरीक्षण करने का निर्णय लिया गया।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से न सिर्फ पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि बिजली भी पैदा होगी। पर्यावरण संरक्षण के लिए एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर 25 हजार से ज्यादा पौधे लगाए जाएंगे। 1700 हेक्टेयर जमीन पर प्रदेश का सबसे लंबा सोलर पार्क विकसित किया जाएगा। इससे 450 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन होगा।

इटावा से चित्रकूट तक 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के मुख्य कैरिजवे और सर्विस रोड के बीच स्थित 1700 हेक्टेयर भूमि पर 15-20 मीटर की चौड़ाई में सोलर पार्क विकसित किया जाएगा। इसके लिए कंपनियों को 25 साल के लिए लीज पर जमीन आवंटित की जाएगी।

# मुरादाबाद में ई-रिक्शा संचालन के लिए पांच जोन तय, एक अगस्त से होगा लागू, मालिक का पता होगा अनिवार्य

परिवहन विशेष न्यूज

मुरादाबाद की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए अब जोन के हिसाब से ई-रिक्शा का संचालन किया जाएगा। इसके लिए शहर में पांच जोन तय किए गए हैं। जिस व्यक्ति के नाम पर ई-रिक्शा रजिस्टर्ड है, उसके पते के हिसाब से जोन लागू किया जाएगा।

सब कुछ ठीक रहा तो एक अगस्त से जोन के अंतर्गत शहर में ई-रिक्शा का संचालन शुरू हो जाएगा। शहर में करीब 15 हजार ई-रिक्शा पंजीकृत हैं, लेकिन सड़कों पर 20 हजार से अधिक ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। दूसरे कस्बों और शहरों के नाम से पंजीकृत ई-रिक्शा भी यहां चल रहे हैं।

जोन व्यवस्था लागू होने के बाद बाहरी ई-रिक्शा पर रोक लग जाएगी। एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि जोन लागू होने के बाद यदि कोई ई-रिक्शा दूसरे जोन में चलता मिला तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा दूसरे शहरों के लिए पंजीकृत ई-रिक्शा भी शहर में नहीं चल सकेंगे। परिवहन विभाग के अधिकारियों से पंजीकृत ई-रिक्शा की सूची मांगी गई है। सूची मिलने पर ई-रिक्शा के लिए जोन तय किए जाएंगे।

जोन 1: लाइन पार, मानसरोवर कॉलोनी, प्रकाश नगर, रामलीला मैदान, कुंदनपुर, विकास नगर, हनुमान नगर, चाऊ की बस्ती, एकता कॉलोनी, ढक्खा, पैपतपुरा, जयंतीपुर, पीर का बाजार, करूला, पुतली घर रोड, चौहान वाली मिल्क।

जोन 2: बुद्धि विहार, कांशीराम नगर, मिलन विहार, खुशहालपुर, बुद्धापार्क, शाहपुर तिगरी, सम्राट अशोक नगर, प्रीत विहार, चंद्र नगर, आवास विकास पीली कोठी, रेलवे कॉलोनी, केंद्रीय विद्यालय, आदर्श कॉलोनी, हिमगिरी कॉलोनी, हरथला, रेलवे हरथला कॉलोनी, मोरा की मिलक।

जोन 3: पुलिस अकादमी, पुलिस लाइन, जिगर कॉलोनी, बंगलागांव, दौलत बाग, चक्कर की मिलक, पुराना आरटीओ ऑफिस, कचहरी, नवीन नगर, रामगंगा विहार, आशियाना कॉलोनी, मौरा, साईं मंदिर, वेव सिटी, टीडीआई सिटी, दीनदयाल नगर।

जोन 4: इंपीरियल तिराहा, बुध बाजार, मानपुर, कटरा नाज, अमरोहा गेट, मंडी चौक, संभली गेट, हैलट रोड, बाजार गंज, टाउन हॉल, बार्टन बाजार, सराफा बाजार, पार्कर रोड, कंजरी सराय, गुहारट्टी चौराहा, जेल रोड, जैन मंदिर रोड, कंपनी बाग, बारादरी, मंडी चौक, दीवान का बाजार, लाल बाग, तहसील स्कूल, एस कुमार, रेती स्ट्रीट, फैज गंज, पीरगैब, जीआईसी चौराहा, जामा मस्जिद चौराहा, ताजपुर माफी, किसरौल, कानून गोयान, नवाबपुरा।

जोन 5: बरवालान, गुलाबबाड़ी, अटल घाट, कटघर रेलवे स्टेशन, मकबरा, लाजपत नगर टाउन, संभल चौराहा, गांधी नगर, पीरजादा, ईदगाह,, असालतपुरा, प्रिंस रोड, इंद्रा चौक, लंगड़े की पुलिया, भूड़े का चौराहा।

# गोरखपुर की महिलाओं को मिलेगा रोजगार, चलाएंगी ई-रिक्शा

परिवहन विशेष न्यूज

गोरखपुर में महिलाओं को रोजगार देने के लिए नगर निगम ने खास मुहिम शुरू की है। जिसके जरिए शहर की महिलाओं को भी रोजगार दिया जाएगा। इसके लिए नगर निगम शुरुआती दौर में 50 महिलाओं को 'पिक ई-रिक्शा' देगा। जिससे वे कमाई कर सकेंगी और उन्हें हर दिन 400 से 500 रुपये नगर निगम में जमा करने होंगे। शुरुआती दौर में इसका लाभ सिर्फ 50 महिलाएं ही ले सकेंगी, लेकिन आने वाले समय में इसकी संख्या बढ़ाई जाएगी। इसमें महिलाओं को शामिल कर रोजगार को बढ़ावा दिया जाएगा।

आजीविका मिशन के तहत नगर निगम शुरुआत में 50 महिलाओं को 'ई-रिक्शा' उपलब्ध कराएगा। ई-रिक्शा मिलने के बाद 4 साल तक हर दिन 400 से 500 रुपये नगर निगम में जमा करने होंगे। 4 साल बाद यह ई-रिक्शा पूरी तरह से उन महिलाओं का हो जाएगा जो इसकी लाभार्थी होंगी। नगर निगम का डूडा विभाग ई-रिक्शा की चार्जिंग और पार्किंग की व्यवस्था भी करेगा, ताकि महिलाएं इसे चार्ज कर सकें। यह पार्किंग और चार्जिंग सुविधा गोरखनाथ ओवर ब्रिज के पास बनाई जाएगी। पिंक ई-रिक्शा के लिए सरकार ने निजी कंपनियों से अनुबंध किया है। इस मिशन के जरिए महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने पर खास ध्यान दिया जाएगा।

नगर निगम निजी कंपनियों से अनुबंध करेगा। ई-रिक्शा खरीदने वाली महिलाओं को देने से पहले उन महिलाओं का चयन किया जाएगा जिन्हें ये ई-रिक्शा दिए जाने हैं। फिर उन्हें विभाग की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ही महिलाओं को ई-रिक्शा दिए जाएंगे। अपर नगरायुक्त मणि भूषण तिवारी का कहना है कि आजीविका मिशन के तहत यह काम किया जा रहा है। पहले 4 साल तक महिलाओं को ई-रिक्शा का तय किराया कंपनी को जमा करना होगा। इसके बाद बचा हुआ मुनाफा वे रख सकती हैं। एक अनुमान के मुताबिक इससे महिलाओं को हर दिन करीब 700 से 1000 रुपये का फायदा होगा।

# बरेली में ई-रिक्शा आनकॉल सर्विस की तैयारी

परिवहन विशेष न्यूज

एक आइडिया आपकी जिंदगी बदल सकता है। हितेश कुमार का स्टार्टअप भी इसी आइडिया का हिस्सा है। उन्हें शहर में ओला उबर की तरह ई-रिक्शा ऑन कॉल सर्विस शुरू करने का आइडिया आया। उन्होंने फ्यूज इट ऐप बनाया और शुरुआत में कुछ इलाकों में सब्जी और फल विक्रेताओं को जोड़कर यह सेवा शुरू की, उन्हें अच्छा रिस्पॉन्स मिला, अब वे इसे पूरे शहर में शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

पीलीभीत निवासी और प्रोटीन्स सॉल्यूशन कंपनी के सीईओ हितेश कुमार स्टार्टअप के जरिए बरेली में रहते हुए कई विदेशी कंपनियों में काम कर युवाओं को रोजगार मुहैया करा रहे हैं। उन्होंने शहर के लोगों की सुविधा के लिए भी काम किया है। इसके लिए उन्होंने फ्यूज इट ऐप तैयार किया है।

वह बताते हैं कि ऐप बनाने में बहुत पैसे लगते हैं, यह ऐप उन लोगों के लिए बनाया गया है जो ऐप बनवाने का खर्च नहीं उठा सकते, जो बरेली और दूसरे छोटे शहरों के वेंडर्स के काम आता है। उन्होंने बुक राइड सर्विस शुरू की है। इसे ई-रिक्शा ऑन कॉल सर्विस भी कहते हैं। शुरुआत में इस सर्विस के जरिए उन्होंने महानगर और ग्रीन पार्क जैसी कॉलोनियों में लोगों को सुविधा दी और ड्राइवरों को रोजगार भी दिया।

हितेश अब इस प्रोजेक्ट को पूरे शहर में शुरू करने जा रहे हैं। इससे सैकड़ों ई-रिक्शा चालकों को रोजगार मिलेगा। लोग रात में भी सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सकें, इसके लिए भी तैयारी की जा रही है। महानगर, मेगा सिटी, ट्यूलिप ग्रैंड अपार्टमेंट के लोग ऐप के जरिए फल और सब्जियां खरीद रहे हैं। वे ऐप के जरिए सामान बुक करते हैं और तय समय में सामान उनके घर पहुंच जाता है। कॉलोनियों में इस ऐप का इस्तेमाल करने वाले सब्जी और फल विक्रेता भी ई-रिक्शा में घूमते हैं।

कॉलोनी के लोग इनसे सामान खरीदते हैं। अब प्रेम नगर और वीर सावरकर नगर में भी यह सेवा शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। शहर के स्थानीय उत्पादों और बाजारों का लोग भी इस ऐप का लाभ उठा सकेंगे। हितेश के मुताबिक यह प्रोजेक्ट जनता को विक्रेताओं से जोड़ेगा। अगर किसी के घर में शादी है तो वह इस ऐप के जरिए पता लगा सकेगा कि शहर की कौन सी दुकान शादी के सामान की खरीद पर ऑफर या छूट दे रही है। दुकानदार अपने उत्पादों और ऑफर की जानकारी इस ऐप पर डालेंगे और जनता उसे देखकर खरीदारी कर सकेगी।

# जयपुर शहर में रोजाना कितने ई-रिक्शा चलते हैं, जानकर हैरान रह जाएंगे

परिवहन विशेष न्यूज

जयपुर की सड़कों पर 40 हजार से ज्यादा ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। इनकी वजह से शहर की यातायात व्यवस्था अक्सर जाम हो जाती है। सरकार के प्रयास असफल साबित हो रहे हैं। 26 जुलाई शुक्रवार को सरकार ने विधानसभा में माना है कि जयपुर शहर में कुल 41762 ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। ये वो आंकड़े हैं, जो सरकार के पास हैं। इसके अलावा कई ई-रिक्शा के बारे में कोई जानकारी नहीं है। एक अनुमान के मुताबिक इनकी संख्या पचास हजार को पार कर सकती है।

वर्तमान में वाहनों के रजिस्ट्रेशन का कार्य परिवहन विभाग के वाहन पोर्टल के माध्यम से किया जाता है। जिसमें रजिस्ट्रेशन अधिकारी के अधिकार क्षेत्र के अनुसार वाहन मालिक का पता निर्धारित किया जाता है। वर्तमान में जयपुर-I अधिकार क्षेत्र में कुल 39878 ई-रिक्शा पंजीकृत हैं तथा जयपुर-II अधिकार क्षेत्र में 1884 ई-रिक्शा पंजीकृत हैं। इनमें परकोटा क्षेत्र के ई-रिक्शा भी शामिल हैं।

ट्रैफिक जाम और ई-रिक्शा की बेतरतीब ड्राइविंग को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस भी अलर्ट पर है। इस

साल जनवरी से 15 जुलाई तक 29,218 ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें से 930 के खिलाफ चालान जारी किए गए हैं। इसके अलावा 3064 ई-रिक्शा जब्त किए गए हैं।

ई-रिक्शा की संख्या को नियंत्रित करने के लिए सरकार के प्रयास किये जा रहें हैं।

01. ई-रिक्शा का स्वामित्व लाइसेंस धारक के नाम पर होना चाहिए अर्थात ई-रिक्शा का संचालन उसके पंजीकृत वाहन स्वामी द्वारा ही किया जाएगा।

02. एक व्यक्ति के नाम पर एक से अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत नहीं होंगे।

03. राज्य सरकार स्थानीय यातायात की स्थिति को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट क्षेत्र या मार्ग में ई-रिक्शा के संचालन पर प्रतिबंध लगाएगी।

04. जयपुर विकास प्राधिकरण के यातायात नियंत्रण बोर्ड की 19 जुलाई को हुई बैठक में जयपुर शहर में ई-रिक्शा के संचालन को नियंत्रित करने के लिए 6 जोन बनाने तथा जोनवार ई-रिक्शा की अधिकतम संख्या निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है। परिवहन विभाग एवं जिला प्रशासन जयपुर द्वारा यह कार्यवाही अभी प्रक्रियाधीन है।

# महिंद्रा के साथ ओला भी करेगी 15 अगस्त को बड़ा एलान! तैयार हो रही इलेक्ट्रिक बाइक

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में अभी तक किसी भी प्रमुख दोपहिया वाहन निर्माता ने प्रवेश नहीं किया है और ओला अपनी शुरुआत में पहले स्थान पर रहने की कोशिश करेगी। ओला ने अभी तक बेहतर प्रोडक्ट पेश किए हैं तो ऐसे में उम्मीद है कि अपकमिंग बाइक्स भी बेहतर होंगी। जारी की गई इमेज में आप सीट का हिस्सा BMS (बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम) और फुटपेग भी देख सकते हैं।

**नई दिल्ली।** ओला इलेक्ट्रिक वर्तमान में देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी है। इंडियन मार्केट में इसकी Ola S1 रेंज को खूब पसंद किया गया है। ब्रांड अब जीरो एमीशन वाले नए 2-Wheelers प्रोडक्ट्स पेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी जल्द ही इलेक्ट्रिक बाइक स्पेस में प्रवेश करने वाली है।

ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले साल 15 अगस्त 2023 को Diamondhead, Roadster, Adventure और Cruiser नाम से 4 कॉन्सेप्ट पेश किए थे। हाल ही में ओला ने नई मोटरसाइकिल डिजाइन का पेटेंट कराया है जो आगामी उत्पादन मॉडल की ओर इशारा करती हैं। इसके तुरंत बाद, बेंगलुरु स्थित ब्रांड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाविश अग्रवाल ने एक स्टील ट्यूबलर फ्रेम के भीतर एक बड़े बैटरी पैक की एक तस्वीर पोस्ट की और हम इसे इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के लिए भी इस्तेमाल किए जाने के और संकेत देख सकते हैं।

**टीजर इमेज में क्या दिखा?**

बैटरी पैक के आकार से पता चलता है कि यह एक ई-मोटरसाइकिल के लिए तैयार की गई है और चेन ड्राइव और स्प्रोकेट का एक हिस्सा इस बात का संकेत देता है कि ओला हाल ही में लॉन्च की गई UV F77 Mach 2 जैसा ही सेटअप अपना सकती है।

जारी की गई इमेज में आप सीट का हिस्सा, BMS (बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम) और फुटपेग भी देख सकते हैं। महिंद्रा की तरह ही ओला भी 15 अगस्त को बड़ी घोषणाएं या खुलासे करने के लिए जानी जाती है। ऐसे में हम उम्मीद कर सकते हैं कि ओला इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल का उत्पादन शुरू होने वाला है। बैटरी पैक का वजन और चेसिस के भीतर इसकी स्थिति आगामी मॉडल की हैंडलिंग विशेषताओं और वजन वितरण को स्पष्ट रूप से निर्धारित करेगी।

# टाटा कर्व ईवी को मिलेंगे कई सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स, 7 अगस्त को रही है मेगा एंट्री

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा सफारी की तरह आने वाली टाटा कर्व में इलेक्ट्रिक टेलगेट होगा जिसे हाइयर ट्रिम्स में पेश किया जाएगा। टाटा कर्व ईवी इस फीचर्स के साथ आने वाली सेगमेंट की पहली कूप एसयूवी होगी।इन सभी सेगमेंट-फर्स्ट पेशकशों के अलावा कर्व कूप एसयूवी में वॉयस असिस्टेंस के साथ पैनोरमिक सनरूफ लेवल 2 ADAS तकनीक टाटा की iRA कनेक्टेड तकनीक और एम्बिएंट लाइटिंग होगी।

**नई दिल्ली।** Tata Curvv EV भारतीय बाजार में 7 अगस्त, 2024 को एंट्री मारेगी। इसे शुरुआत में इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ उपलब्ध कराया जाएगा, इसके बाद सितंबर के शुरुआती हफ्तों में इसका ICE वर्जन भी पेश होगा।

**Citroen Basalt से होगी सीधी टक्कर**

Tata Curvv EV का सीधा मुकाबला आगामी Citroen Basalt से होने वाला है। भारतीय ऑटोमेकर टाटा मोटर्स ने इसे कई सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स देने वाली है।इसमें वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी वाला बड़ा 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 8-स्पीकर वाला हरमन साउंड सिस्टम शामिल है। यह यूनिट हुंडई क्रेटा के 10.25 इंच के इंफो यूनिट से बड़ी है। इसके अलावा, कूप एसयूवी में 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर होगा, जिसमें डेडिकेटेड मैप व्यू होगा और इसे नेक्सन ईवी से लिया गया है।

**मिलेंगे ये सेगमेंट फर्स्ट फीचर्स**

टाटा सफारी की तरह, आने वाली टाटा कर्व में इलेक्ट्रिक टेलगेट होगा, जिसे हाइयर ट्रिम्स में पेश किया जाएगा। टाटा कर्व ईवी इस

फीचर्स के साथ आने वाली सेगमेंट की पहली कूप एसयूवी होगी। इस कूप एसयूवी के हाईयर ट्रिम्स में फ्लश-फिटेड डोर हैंडल होने की उम्मीद है, जैसा कि Mahindra XUV700 में देखा गया है।

इन सभी सेगमेंट-फर्स्ट पेशकशों के अलावा, कर्व कूप एसयूवी में वॉयस असिस्टेंस के साथ पैनोरमिक सनरूफ, लेवल 2 ADAS तकनीक, टाटा की iRA कनेक्टेड तकनीक, एम्बिएंट लाइटिंग, थ्री-स्टेप मेमोरी फंक्शन के साथ 6-वे इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ड्राइवर सीट्स, फ्रंट और रियर टाइप सी चार्जर, लेदरेट अपहोल्स्ट्री, फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, ऑल-डिस्क ब्रेक, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम, ऑटो होल्ड के साथ इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और बहुत कुछ दिया जाएगा। टाटा की नई कूप एसयूवी में 500 लीटर का बूट स्पेस होगा।

# एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर कैसे बनें?

विजय गर्ग

**एक सफल साहसिक खेल प्रशिक्षक बनने के लिए व्यक्ति के पास क्षेत्र में आवश्यक जानकारी और विशेषज्ञता होनी चाहिए। आवश्यक विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए कोई व्यक्ति निम्नलिखित अल्पकालिक और पूर्णकालिक दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में से एक या अधिक को अपना करियर बना सकता है।**

एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर, जैसा कि नाम से ही पता चलता है, एडवेंचर स्पोर्ट्स में प्रशिक्षण प्रदान करने में विशेषज्ञ है, चाहे वह वॉटर स्पोर्ट्स जैसे स्कूबा डाइविंग, व्हाइट वॉटर राफ्टिंग, कयाकिंग, कैनोइंग, क्लिफ डाइविंग, स्नॉर्कलिंग, यॉट रेसिंग, पावरबोट रेसिंग, विंड सर्फिंग आदि हो। हवाई खेल जैसे बंजी जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, स्काई डाइविंग, स्काई सर्फिंग आदि, या भूमि साहसिक खेल जैसे रॉक क्लाइंबिंग, स्केटबोर्डिंग, माउंटेन बाइकिंग, स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग, ट्रेकिंग, एडवेंचर रेसिंग, भूमि और बर्फ नौकायन आदि। साहसिक पर्यटन, पहाड़ी रिसॉर्ट संस्कृति के बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलने और नेशनल ज्योग्राफिक, डिस्कवरी, एएक्सएन आदि जैसे मीडिया चैनलों की भागीदारी के साथ, लोग अपने आसपास साहसिक खेल गतिविधियों के बारे में अधिक जागरूक हो गए हैं और एक साहसिक छुट्टी की योजना बनाना चाहते हैं। पेशेवर प्रशिक्षक के रूप में इन विशेषज्ञों की मांग पिछले कुछ वर्षों में कई गुना बढ़ गई है। इस प्रकार एडवेंचर टूरिज्म के इस क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रशिक्षकों का अच्छा भविष्य है। साहसिक खेलों में जनसंचार माध्यमों की भागीदारी के विश्वव्यापी दृष्टिकोण के कारण उच्च स्तर पर इस क्षेत्र से बहुत सारा ग्लैमर भी जुड़ गया है। एक सफल साहसिक खेल प्रशिक्षक बनने के लिए व्यक्ति के पास क्षेत्र में आवश्यक जानकारी और विशेषज्ञता होनी चाहिए। आवश्यक विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए कोई व्यक्ति निम्नलिखित अल्पकालिक और पूर्णकालिक दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में से एक या अधिक को अपना करियर बना सकता है। इसमें बहुत अधिक मेहनत और प्रयास की आवश्यकता होती है लेकिन साथ ही यह किसी के करियर के निर्माण के लिए बहुत अधिक संभावनाएं प्रदान करता है। पूर्व खिलाड़ियों के साथ-साथ कड़ी मेहनत की इच्छा और क्षमता वाले युवा ऊर्जावान लोग, अब साहसिक खेलों से जुड़े नाम और प्रसिद्धि के साथ-साथ पैसा और संतुष्टि दोनों प्राप्त कर सकते हैं।

साहसिक खेल प्रशिक्षक पात्रता शैक्षणिक योग्यता एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आवश्यक वांछनीय योग्यता एक विषय के रूप में शारीरिक शिक्षा के साथ 12वीं कक्षा है (हालांकि यह अनिवार्य नहीं है) इसके बाद किसी एडवेंचर स्पोर्ट्स संस्थान से प्रमाणन प्राप्त करना आवश्यक है। महत्वपूर्णः जल-आधारित खेलों के लिए तैराकी का अच्छा कौशल अनिवार्य है। इसके अलावा, विदेशी साहसिक खेल प्रेमियों को संभालने के लिए अंग्रेजी या कुछ विदेशी भाषाओं में दक्षता उपयोगी हो सकती है। साहसिक खेल प्रशिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल साहसिक खेल प्रशिक्षकों में खेल के प्रति उत्साह, उत्कृष्ट संचार कौशल, आत्मविश्वास जगाने और प्रतिभागियों को प्रेरित करने की क्षमता होनी चाहिए। उनमें दृढ़ संकल्प और धैर्य, अच्छा संगठनात्मक कौशल, संवेदनशील और सहायक दृष्टिकोण होना चाहिए। उनमें शारीरिक सहनशक्ति और खेल में सभी की भागीदारी के प्रति प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर कैसे बनें? उन उम्मीदवारों के लिए किसी औपचारिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है जो स्वयं खिलाड़ी के रूप में साहसिक खेलों से जुड़े रहे हैं। पूर्व और वरिष्ठ साहसिक खिलाड़ियों को एक खिलाड़ी के रूप में खेल के अपने ज्ञान और अनुभव के कारण सहायक खेल प्रशिक्षक (आवश्यक प्रमाणीकरण या लाइसेंस प्राप्त करने के बाद) के रूप में नौकरी मिल सकती है। सहायक के रूप में क्षेत्र में कुछ अनुभव के साथ, वे समय के साथ मुख्य प्रशिक्षक या मुख्य प्रशिक्षक के रूप में ऊपरी पद पर आसीन हो सकते हैं। हालाँकि, वे उम्मीदवार जिनके पास गैर-खेल पृष्ठभूमि है, लेकिन वे ऊर्जावान हैं और खेल का अच्छा ज्ञान रखते हैं, वे औपचारिक प्रशिक्षण ले सकते हैं और नीचे दिए गए चरणों का पालन करके प्रशिक्षक के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैंः स्टेप 1 इच्छुक उम्मीदवार को किसी साहसिक कार्य में शामिल होना होगाखेल संस्थान या नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वॉटर स्पोर्ट्स और नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग जैसे क्लबों को उनके द्वारा प्रस्तावित लघु अवधि के साहसिक खेल पाठ्यक्रम करने के लिए। चरण दो एक बार जब वे प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं तो उन्हें प्रमाणन या लाइसेंस प्रदान किया जाता है जो उन्हें साहसिक खेल प्रशिक्षक बनने के लिए पात्र बनाता है। साहसिक खेल प्रशिक्षक से संबंधित पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले संस्थान की सूची हिमालय पर्वतारोहण संस्थान जवाहर पर्वत, दार्जिलिंग (www.hmi-darjeeling.com) नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी (www.nimindia.net) भारतीय स्कीइंग और पर्वतारोहण संस्थान आईआईएसएम, गुलमर्ग (www.iismgilmarg.com) जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स, अनंतनाग (www.jawaharinstitutepahalgam.com) पर्वतारोहण और संबद्ध खेल निदेशालय, मनाली, (www.dmas.nic.in/) क्षेत्रीय पर्वतारोहण केंद्र, मैकलियोडगंज अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण और संबद्ध खेल संस्थान, मनाली हाई एल्टीट्यूड ट्रैकिंग और स्कीइंग सेंटर, नारकंडा, शिमला क्षेत्रीय साहसिक खेल केंद्र, हाटकोटी, शिमला (हिमाचल प्रदेश) पर्वतारोहण उप केंद्र जिस्पा, लाहौल और स्पीति (हिमाचल प्रदेश) पर्वतारोहण उपकेंद्र भरमौर, चंबा (हिमाचल प्रदेश) द बैलूनिंग क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान ऐवाओ, गोवा (www.niws.nic.in) साहसिक खेल प्रशिक्षक नौकरी

विवरण साहसिक खेलों के लिए न केवल खेल कौशल की आवश्यकता होती है, बल्कि साहसिक कार्य करने के लिए बहुत अधिक प्रेरणा की भी आवश्यकता होती है क्योंकि इनमें एक निश्चित मात्रा में जोखिम लेना भी शामिल होता है। इस प्रकार एक साहसिक खेल प्रशिक्षक की नौकरी का विवरण स्पोरिंग कौशल सिखाने से कहीं अधिक है। उनके काम में समूह पहल के माध्यम से समूहों का मार्गदर्शन करना, उचित स्पॉटिंग तकनीक सिखाना, रस्सियों, कैरबिनियर्स, हार्नेस और अन्य जीवन सहायक उपकरणों की उचित देखभाल और रखरखाव सिखाना शामिल है क्योंकि वे किसी भी प्रकार के कार्य को ठीक से करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, वह शिविरार्थियों और कर्मचारियों को नए खेल आज़माने, शिविर जीवन के अन्य पहलुओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। एक साहसिक खेल प्रशिक्षक को वे सभी कर्तव्य निभाने होते हैं जो साहसिक/खेल निदेशक, ग्राम निदेशक, कार्यक्रम समन्वयक या शिविर निदेशक द्वारा उसे सौंपे जा सकते हैं। साहसिक खेल प्रशिक्षक कैरियर की संभावनाएँ साहसिक खेल प्रशिक्षकों के लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में रोजगार के प्रचुर अवसर उपलब्ध हैं। उन्हें खेल केंद्रों और एथलेटिक क्लबों के अलावा भ्रमण एजेंसियों, हॉलिडे रिसॉर्ट्स, अवकाश शिविरों और वाणिज्यिक मनोरंजन केंद्रों में नौकरी मिल सकती है। पर्यटन विभाग, एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब और हिल्स रिसॉर्ट्स आदि भी इन पेशेवरों को अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। प्रशिक्षित साहसिक खेल प्रशिक्षक कॉर्पोरेट घरानों और विभिन्न राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता से अपनी स्वयं की अकादमियाँ भी खोल सकते हैं। साहसिक खेल प्रशिक्षक वेतन जहां तक एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रशिक्षकों के वेतन पैकेज और वेतन का सवाल है, तो उन्हें शुरुआत में कुछ अच्छे एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लबों या हिल रिसॉर्ट्स में एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रशिक्षक के रूप में 20,000 रुपये से 30,000 रुपये तक कुछ भी मिल सकता है। यदि कोई व्यक्तिगत असाइनमेंट के लिए जाता है तो वह उतना ऊंचा स्थान प्राप्त कर सकता है जितना वह सोच सकता है, यह सब संबंधित क्षेत्र में उसकी अपनी क्षमता और मांग पर निर्भर करता है।

*सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट*

## संपादक की कलम से

# विपक्ष की थाली खाली नहीं

**राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि आंध्रप्रदेश और बिहार की थालियों में पकौड़े-जलेबी परोसे गए हैं, शेष थालियां खाली हैं। करीब 90 फीसदी राज्यों को कुछ नहीं दिया गया। खड़गे जैसे वरिष्ठ और बुजुर्ग सांसद की यह टिप्पणी ही पूर्वाग्रही है, अतिरंजनापूर्ण है।**

विपक्ष ने बजट को दुराग्रही, भेदभावी और सत्यानाशी तक करार दिया है। अंतिम शब्द घोर 'असंसदीय' है। विपक्ष की सोच बेहद नकारात्मक लगती है। विपक्ष के समवेत आरोप हैं कि गैर-भाजपा शासित राज्यों को ठन-ठन गोपाल रखा गया है। उन्हें कुछ भी नहीं मिला। उनके हिस्से की राशि भी केंद्र सरकार जारी नहीं कर रही। ये भाजपा के राजनीतिक पूर्वाग्रह हैं, लिहाजा बजट संविधान-विरोधी, संघीय ढांचे के खिलाफ, राजनीतिक खुन्नस का बजट है। यह अन्यायपूर्ण है, किसान-गरीब विरोधी है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि आंध्रप्रदेश और बिहार की थालियों में पकौड़े-जलेबी परोसे गए हैं, शेष थालियां खाली हैं। करीब 90 फीसदी राज्यों को कुछ नहीं दिया गया। खड़गे जैसे वरिष्ठ और बुजुर्ग सांसद की यह टिप्पणी ही पूर्वाग्रही है, अतिरंजनापूर्ण है। उनसे सवाल है कि क्या इस तरह देश का आम बजट बनाया जा सकता है? यह संपूर्ण और राष्ट्रीय बजट राज्यों का निजी बजट नहीं है, बल्कि देश के संसाधनों और मंत्रालयों का हिसाब-किताब है। क्या यह भाजपा-एनडीए का घरेलू बजट है, जिसकी बंदरबांट कर ली गई? जहां तक बजट-भाषण में राज्यों के नाम का सवाल है, तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उप्र, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश आदि राज्यों का बजट-भाषण में उल्लेख तक नहीं किया। सरकार ने 'पूर्वोदय' योजना की घोषणा की है, जिसमें बिहार, बंगाल, ओडिशा, झारखंड, आंध्रप्रदेश आदि राज्यों को रखा गया है। बहरहाल जिन राज्यों का जिक्र हमने किया है, उनमें से अधिकतर भाजपा-एनडीए शासित हैं। वित्त मंत्री तो क्या, प्रधानमंत्री भी अपने ही पक्ष की थाली को खाली नहीं रख सकते। ऐसा नहीं किया जा सकता, यह विपक्ष भी जानता है, लिहाजा बजट के मुद्दे पर संसद परिसर में ही विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों का विरोध-प्रदर्शन, पोस्टरबाजी और नारेबाजी तथा दोनों सदनों से बहिर्गमन करना बेमानी है। आरोपों के पलटवार में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन योजनाओं का खुलासा किया है, जिनके लिए बजट में आवंटन किया गया है। वित्त मंत्री ने 76,000 करोड़ रुपए की बंदरगाह का उल्लेख किया है, जिसे केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। उसका उल्लेख बजट में करना अनिवार्य है, क्योंकि बंदरगाह के लिए राशि जारी होनी है। उप्र के संदर्भ में बुंदेलखंड के 7 जिलों में प्राकृतिक खेती, कुल 12 औद्योगिक पार्कों में से 2 पार्क उप्र में, 1000 से अधिक आईटीआई में से 100 से अधिकतर ऐसे संस्थानों को उप्र में ही अपग्रेड किया जाना है, इंटर्नशिप योजना में 2 लाख से अधिक युवा उप्र के, मुफ्त अनाज योजना में सर्वाधिक लाभार्थी उप्र के, प्रधानमंत्री पक्का घर योजना के नए चरण में सबसे अधिक मकान उप्र में बनेंगे, 20000 करोड़ का कर्ज ब्याज के बिना 50 साल की अवधि के लिए और 2.23 लाख करोड़ रुपए की हिस्सेदारी केंद्रीय टैक्स में आदि ऐसे विषय हैं, जिनका उल्लेख बजट में है। कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु पर भी विपक्ष के दावे ठीक नहीं हैं।

चर्चा

## भारत की ओलंपिक उम्मीदें

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 53वें ओलंपिक खेलों का आगाज हो गया। 'प्रेम की नगरी' में ये खेल 11 अगस्त तक खेले जाएंगे और समन्वय, सौहार्द और स्नेह के असंख्य उदाहरण पेश किए जा सकते हैं। दुनिया के 206 देशों के 10,714 खिलाड़ी ओलंपिक में शिरकत करेंगे। उनमें से भारत के 117 खिलाड़ी 16 खेलों और 69 इवेंट्स में पदक और राष्ट्र के सम्मान के लिए जूझेंगे। करीब 100 साल पहले 1924 में भी पेरिस में ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया था, जिसमें पहली बार भारतीय दल ने अधिकृत तौर पर भाग लिया था। भारत की पहली महिला खिलाड़ी ने भी उसी ओलंपिक में हिस्सा लिया था। इतिहास उसी को दोहरा रहा है, लेकिन आज भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु देश है। विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। खिलाडियों के हुनर को तराशने और विश्वस्तरीय बनाने के मद्देनजर भारत ने खिलाडियों पर 470 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। सबसे ज्यादा 96 करोड़ रुपए एथलेटिक्स पर खर्च किए गए हैं, लिहाजा पदकों की उम्मीदें भी देश कर रहा है। बैडमिंटन में दो बार ओलंपिक पदकवीर पीवी सिंधु और 5वीं बार ओलंपिक खेल रहे, 42 वर्षीय, टेबल टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी शरथ कमल भारतीय खिलाड़ी दल के ध्वजवाहक बने। यह भी राष्ट्रीय सम्मान है। इस बार सबसे अधिक खिलाडियों ने ओलंपिक की पात्रता हासिल की है, लिहाजा सबसे अधिक खिलाड़ी भेजे गए हैं। भारतीय दल में कई विश्व चैम्पियन खिलाड़ी हैं- नीरज चोपड़ा (भाला फेंक), निकहत जरीन (मुक्केबाजी), अंतिम पंघाल (कुश्ती) और मनु भाकर (निशानेबाजी) आदि। कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने विश्व स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं- सात्विक चिराग की जोड़ी, लक्ष्य सेन, सिंधु (सभी बैडमिंटन खिलाड़ी), विनेश फोगाट (कुश्ती), मीराबाई चानू (भारोत्तोलन) और पुरुष हॉकी टीम। काश! शतरंज और क्रिकेट भी ओलंपिक खेलों में शामिल होते, तो उनके खिलाड़ी भी विश्वस्तरीय श्रेणी में गिने जाते! भारत में खेल मंत्रालय का बजट 3442 करोड़ रुपए तय किया गया है।

यह देश के जीडीपी का मात्र 0.01 फीसदी से भी कम है। पश्चिम में कई विकसित देश खेलों पर 0.2 फीसदी से 0.6 फीसदी तक खर्च करते हैं। भारत में प्रति नागरिक औसतन 25 रुपए खेल पर खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद भारत की उम्मीद है कि इस बार उसके खिलाड़ी पदकों की दहाई पार करेंगे। 2004 में ब्राजील ने 10 पदक जीत कर अपना लक्ष्य हासिल किया था। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में एक स्वर्ण पदक समेत 6 पदक जीते थे। देश के लिए वह महान उपलब्धि थी, क्योंकि अधिकतर खेल मुकाबलों में भारत पदकहीन ही रहता आया है। इस बार एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी आदि खेलों में पदकीय जीत की उम्मीदें कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन खेलों के खिलाडियों ने विश्व चैम्पियन टीमों और खिलाडियों को भी मात दी है। दुर्भाग्य और विडंबना है कि टोक्यो ओलंपिक में हॉकी की जिस महिला टीम ने चौथा स्थान हासिल किया था, वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर पाई। यह खेल और प्रशिक्षण के हरेक स्तर की अयोग्यता है। भारोत्तोलन में कोई भी पुरुष खिलाड़ी ओलंपिक का पात्र नहीं समझा गया। महिला वर्ग में भी मीराबाई चानू अकेली ही दायित्व उठा रही है।

विजय गर्ग

# जिंदगी एक सफर

जीवन में सब कुछ हमारी दृष्टि पर निर्भर करता है। किसी भी चीज को देखने का हमारा नजरिया क्या है। काले रंग को ही देखा जाए तो इसे विरोध या नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है, लेकिन क्या वास्तव में ऐसा है? दरअसल, यह बस हमारा नजरिया है। गहन अंधकार से होकर ही तो प्रकाश की किरणें फूटती हैं जो हमारी चेतना का विस्तार करती हैं। इसलिए जीवन के प्रत्येक क्षण में अपने नजरिए का मूल्यांकन करते रहना चाहिए। सबके पास जीवन के उल्लास और दुख की अनगिनत कहानियां हैं। जिस वक्त हमें लगता है कि सामने वाला कितना बेहतर जीवन जी रहा है, उस वक्त शायद हमें यह नहीं पता होता कि वह जीवन की अनिश्चित यात्राओं की डगर पर संघर्षरत भी है। कोई ऐसा भी है जो जिंदगी के दर्द भरे दरिया को मुस्कराहट की नाव पर सवार होकर पार कर रहा है। हम दुनिया भर में फैली पीड़ा की अनंत कहानियों को नहीं देख पाते हैं। इसलिए हम सुख के समंदर में गोता लगाने के बजाय अनजाने में ही दुख की खेती करने लगते हैं, क्योंकि हम सबने अपने दुख को बड़ा और सुख को छोटा करके देखने की नजर विकसित कर ली है।

जिंदगी का रंगमंच हर वक्त एक नई कहानी के साथ सजा हुआ है और हम सब एक नए किरदार में ढलने को तैयार हैं। मौत के आगोश में जाने से पहले जिंदगी हमारा पीछा करती रहती है।

जिंदगी का हासिल तय नहीं होता। यहां सब कुछ पाना भी कई बार सब कुछ खोने जैसा होता है। हम सब जिंदगी के अलग-अलग रंगों के बीच से गुजरते हुए एक दिन अचानक से जिंदगी को अलविदा कह देते हैं। यह 'अचानक' शायद हमारा अपना विशेषण या नजरिया है, लेकिन तटस्थ होकर देखें तो हमारी यही नियति है जो निश्चित है। इसके अतिरिक्त सब कुछ अनिश्चित।

आहिस्ता-आहिस्ता चल रही जिंदगी को एक दिन अचानक ही राह चलते ठोकर लगती है और हम बैठ जाते हैं। इस तरह की चोट महज एक प्रतीक है। इसी बहाने हमें लगी असंख्य चोटों की स्मृतियां जेहन में ताजा हो जाती हैं। जिंदगी आखिर एक ख्वाब ही है और अधूरापन इसकी नियति है! ऐसे ही अचानक से राह चलते एक ख्वाब याद आता है, जिसके अधूरेपन को हम रफ्ता रफ्ता भरने की कोशिश में अब तक जुटे थे। अचानक से अधूरे ख्वाब की स्मृतियां दिलोदिमाग पर एक शोर बनती चली जाती हैं और हम इस शोर को बाहरी दुनिया के शोर से दबाने की कोशिश करने लगते हैं। तब तक पता चलता है कि अंदर का शोर बाहर के शोर से कई गुना ज्यादा है। आखिर बाहरी अनगिनत आवरण में घिरा इंसान इस शोर पर कैसे काबू पाए? इस दुनिया में आखिर ऐसा भरोसेमंद कंधा कहां, जिस पर सिर रख कर रो ले। ऐसी बाहें कहां, जो किसी गम को अपने आगोश का आश्वासन दे पाएं!

इंसान मूल रूप से बेहद कमजोर है। इतना कि दो सांसों के बीच का क्रम टूट जाए तो जिंदगी एक कमजोर माला की तरह टूट कर मौत के रूप में बिखर जाती है, लेकिन अब इसे आखिर बताए कौन? इसीलिए मौत दबे पांव आती है और जिंदगी का भरोसा तोड़ती रहती है! कभी- कभी लगता है कि चीजें कितनी बिखर गई हैं। जीवन का कतरा-कतरा बिखरता जा रहा है। एक छोर पकड़ने की कोशिश में दूसरा छूट जाता है। सामने दो ही विकल्प नजर आते हैं। बिखरी चीजों को समेटने की कोशिश की जाए या इस बिखराव को ही नियति मान कर जीते चले जाएं। आखिर बिखराव का भी तो अपना सौंदर्य है! समेटने में फिर से बिखरने का भय है, बिखराव भयमुक्त है!

जीवन एक यात्रा है। इसको बस यात्रा की भांति ही लेना चाहिए। यात्रा की शुरुआत जन्म से हो गई है, मौत अंतिम पड़ाव है। इस अंतिम पड़ाव से पहले ढेर सारे छोटे-छोटे पड़ाव हैं- रिश्ते नाते, घर-परिवार, दोस्ती-यारी, शोहरत, सफलता, संपत्ति, चकाचौंध, विफलता, अंधेरे, अकेलापन। ऐसे ही अनगिनत पड़ाव, जहां आंशिक ठहराव जरूरी है। जिंदगी में लोग आएंगे और जाएंगे, मिलेंगे और बिछड़ जाएंगे। सबका अनुभव इसी यात्रा का हासिल भी है। इस छोटे-से काल को जी भर, मन से जी लेना चाहिए, ताकि कुछ उधार न रहे जिंदगी की दुकान में! खुद को हर परिस्थिति के लिए तैयार भी रखना चाहिए। हम छले जाएंगे, तिरस्कृत होंगे, भुला दिए जाएंगे, आलोचना होगी, लोग हंसेंगे हम पर, हम लड़खड़ाएंगे, गिरेंगे, टूटेंगे, बिखरेंगे, रोएंगे। फिर खुद ही संभलना और चलना होगा, हांफते हुए दौड़ना होगा, हंसना - मुस्कुराना भी होगा। गलतियां भी होंगी, जो कि इस यात्रा का अहम हिस्सा हैं। उन्हें सुधार कर एक वक्त के बाद पुरानी मूर्खताओं पर मुस्करा कर आगे बढ़ जाना होगा!

अपेक्षाओं के बोझ से बचना चाहिए, क्योंकि अपेक्षाएं अंतहीन हैं। किसी का पूरी तरह अनुकरण भी नहीं करना चाहिए, अन्यथा धीरे-धीरे हम नकली जीवन जीने लगते हैं और हमें इसका पता भी नहीं होता। व्यक्तित्व में सहजता और सरलता लाने से यह यात्रा ज्यादा आसान हो पाएगी। आखिर बनावट की क्या जरूरत? हमें दूसरों से ज्यादा खुद को जानने में समय देना चाहिए, क्योंकि सब कुछ तो साधन और हम ही साध्य हैं! अपना रास्ता खुद बनाया जाए, अपनी बची हुई दूरी खुद तय की जाए। सपने हमारे अपने हों, उधार के नहीं। उनकी जिम्मेदारी भी हमारी खुद की ही हो। कुछ भी रहस्यमय नहीं। स्वाभाविक तौर पर जीवन को जीते चले जाएं। जीवन में सब कुछ सापेक्षिक है, सब हमारे नजरिए से तय होता है। हर रोज खुद से थोड़ा आगे बढ़ जाया जाए और एक नई यात्रा पर निकल जाया जाए, क्योंकि जिंदगी एक यात्रा है!

*सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब*

# छात्रों को हाई-टेक दुनिया के लिए तैयार करना

विजय गर्ग

दुनिया तकनीकी प्रगति वाले भविष्य की ओर बढ़ रही है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में क्रांति लाने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर जीन संपादन और भी बहुत कुछ शामिल है। इसलिए, इस मामले में, छात्रों को इस माहौल के लिए तैयार करना सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। यहीं पर एसटीईएम शिक्षा आती है, जो विषयों के एक समूह से हटकर प्रौद्योगिकी-युक्त भविष्य के लिए अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण में बदल जाती है। एसटीईएम शिक्षा वह है जहां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित को जमीनी स्तर से एकीकृत किया जाता है। हालाँकि, भविष्य में बुनियादी ज्ञान से कहीं अधिक की आवश्यकता है, और परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालयों को भी बदलना होगा। इसके लिए दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है जिसमें शिक्षा चीजों की खोज, संज्ञानात्मक क्षमताओं और नवीन अंतर्दृष्टि के प्रति प्रेम बढ़ाने की एक प्रक्रिया है। यहां बताया गया है कि एसटीईएम शिक्षा भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए कैसे विकसित हो सकती हैः विशेषज्ञ से यहां बताया गया है कि एसटीईएम शिक्षा भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए कैसे विकसित हो सकती है अनुभवात्मक शिक्षा को अपनानाः किताबें और अन्य सामग्रियां बहुत महत्वपूर्ण उपकरण हैं जिनके लिए प्रत्येक छात्र को हमेशा प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। फिर भी, ऐसा कोई तरीका नहीं है कि एक छात्र को खोजने के लिए दिलचस्प तथ्यों के साथ इतनी सारी सामग्रियां दी जाएंगी, और इच्छा बस खत्म हो जाएगी क्योंकि ग्रंथों ने उसे पहले ही सब कुछ बता दिया है। ऐसा लगता है कि भविष्य एसटीईएम शिक्षा का है, या कम से कम उन दृष्टिकोणों का है जो इसके सार पर विचार करते हुए अनुभवात्मक शिक्षा के उच्च तत्वों के साथ एक वातावरण बनाने में शामिल हैं। चित्र स्कूल जिनमें 3डी प्रिंटिंग कार्यशालाएं और आभासी वास्तविकता प्रयोगशालाएं जैसे तकनीकी चमत्कार हैं जो छात्रों को कुछ ही मिनटों में अमेज़न का दौरा करने की अनुमति देते हैं। ऐसी गतिविधियों के कारण ही अमूर्त विचारों को बल मिलता है और एसटीईएम विषयों के प्रति प्रेम विकसित होता है। उभरती प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करनाः प्रौद्योगिकी एसटीईएम शिक्षा पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है बल्कि शिक्षण का एक साधन है। कृत्रिम रूप से बुद्धिमान ट्यूटर्स से सीखने के मार्ग प्राप्त करने पर विचार करें जो शिक्षार्थियों की क्षमताओं और कठिनाइयों के अनुकूल हों। इसके लिए उपयुक्त आभासी वास्तविकता का उपयोग है, जहां, एक वास्तविक मेंढक को विच्छेदित करने के बजाय, आभासी वातावरण में परिवर्तनों का अनुकरण किया जा सकता है, जैसे कि मानव शरीर के साथ मुठभेड़ हो सकती है। सहयोग और संचार को बढ़ावा देनाः उभरती पीढ़ी की मूल्य प्रणाली समूह बातचीत पर आधारित एक एकीकृत अवधारणा है। एसटीईएम शिक्षा समूह असाइनमेंट को शामिल करके इसे बढ़ावा दे सकती है जो छात्रों को कुछ समस्याओं को हल करने या एक-दूसरे को अपने विचार समझाने पर विचार-मंथन करने पर मजबूर करेगी। यह सहयोगात्मक भावना छात्रों को उस दुनिया के लिए तैयार करती है जिसमें नए विचारों के साथ आने का मतलब है कि विभिन्न क्षमताओं वाले प्रतिभाओं के समूह विशिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक साथ आएंगे। एसटीईएम और समाज के बीच अंतर को पाटनाः एसटीईएम का अभ्यास अकेले नहीं किया जाना चाहिए। भविष्य को ऐसे लोगों की आवश्यकता है जिनके पास मौजूदा तकनीक और विज्ञान से प्राप्त सामाजिक प्रभाव के संबंध में नैतिक कौशल हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता पूर्वाग्रह या जीन संपादन के मुद्दों के मामलों और विषयों को शामिल करने से छात्रों को जिम्मेदार उपयोगकर्ता, निर्माता और ज्ञान के नवप्रवर्तक बनने की अनुमति मिलती है। कलाओं को एकीकृत करनाः एसटीईएम के विस्तार परः कलाओं को एकीकृत करके एसटीईएम शिक्षा को बढ़ाना संभव है, जो सटीम को अधिक अर्थ देता है। अधिकांश मुद्दों को हल करते समय रचनात्मकता एक आवश्यक उपाय है; कला रचनात्मकता के लिए उत्प्रेरक है। वे इसके माध्यम से जागरूकता और स्थिरता पैदा कर रहे हैंस्थायी शहरों को डिजाइन करने जैसी वास्तुशिल्प परियोजनाएं, साथ ही प्रकृति के पहलुओं पर आधारित संगीत का निर्माण। यह पद्धति छात्र को उपकरणों का एक उत्कृष्ट सेट भी प्रदान करती है जो उसे न केवल तकनीकी बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करके विभिन्न समस्याओं को हल करने में सक्षम बनाती है। एसटीईएम शिक्षा का भविष्य केवल ऐसे स्नातक तैयार करने की प्रक्रिया नहीं है जो बैठ कर प्रोग्राम कर सकें या प्रयोग कर सकें। यह आधुनिक दुनिया की तकनीकी जटिलताओं को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण विश्लेषणों, आविष्कारशील और गहराई से उपयुक्त समाधानों और जवाबदेह आविष्कारकों की एक पीढ़ी तैयार करने के बारे में है। अनुभवात्मक शिक्षा, उन्नत प्रौद्योगिकियों, सहयोग और समाज के समग्र संदर्भ को शामिल करने से भविष्य के लिए शिक्षाशास्त्र तैयार करना संभव हो जाता है, जिससे एसटीईएम छात्रों को परिवर्तन को तोड़ने और इसे चलाने के लिए तैयार करता है।

*सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट*

# 1.4 लाख के तक पहुंची स्टार्टअप रजिस्ट्रेशन की संख्या, यूपी से आगे निकला गुजरात

परिवहन विशेष न्यूज

देश में स्टार्टअप की संख्या में लगातार तेजी देखने को मिली है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में कहा कि देश में रजिस्टर्ड स्टार्टअप की संख्या 1.4 लाख पहुंच गई है। राज्यों के हिसाब से सबसे आगे महाराष्ट्र है। भारत सरकार स्टार्टअप को प्रमोट करने के लिए कई कदम उठा रही है। आइए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

**नई दिल्ली।** भारत में स्टार्टअप की संख्या में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में कहा कि भारत में स्टार्टअप रजिस्ट्रेशन की संख्या 1.4 लाख के पार पहुंच गई है। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) द्वारा जारी रजिस्टर्ड स्टार्टअप डेटा की लिस्ट के अनुसार महाराष्ट्र टॉप पर है।

**किस राज्य में कितनी है स्टार्टअप की संख्या**

भारत में सबसे ज्यादा स्टार्टअप की संख्या महाराष्ट्र में हैं। यहां 25,044 रजिस्टर्ड स्टार्टअप हैं।

इस लिस्ट में कर्नाटक दूसरे नंबर पर आता है। यहां 15,019 पंजीकृत स्टार्टअप है।

कर्नाटक के बाद दिल्ली का नाम है। दिल्ली में रजिस्टर्ड स्टार्टअप की संख्या 14,734 हैं।

उत्तर-प्रदेश चौथे पायदान पर हैं। यूपी में स्टार्टअप की संख्या 13,299 है।

वहीं, गुजरात ने पांचवें स्थान पर हैं। गुजारत में पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 11,436 है।

**सरकार कर रही है स्टार्टअप को प्रमोट**

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि सरकार स्टार्टअप को प्रमोट करने के लिए कई कदम उठा रही हैं। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की थी। यह पहल देश में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया था।

इसके अलावा 'स्टार्टअप इंडिया एक्शन प्लान' में ₹सिप्लिफिकेशन और हैंडहोल्डिंग,₹फंडिंग समर्थन और प्रोत्साहन,₹ और ₹उद्योग-अकादमिक साझेदारी और इन्क्यूबेशन₹ जैसे क्षेत्रों में फैले 19 एक्शन आइटम शामिल हैं।

'स्टार्टअप इंडियाः द वे अहेड' में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए आत्मनिर्भर भारत ने भी अहम भूमिका निभाई है। सरकार ने स्टार्टअप्स की फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स (एफएफएस) की भी स्थापना की है। सरकार ने न केवल शुरुआती चरण, सीड स्टेज और ग्रोथ स्टेज में स्टार्टअप के लिए पूंजी उपलब्ध कराई है।

## खुशखबरी! NCCF बेचेगी 60 रुपये प्रति किलो में टमाटर, दिल्ली और नोएडा की मार्केट में लगेंगे स्टॉल

NCCF ने टमाटर के रिटेल सेल को 60 रुपये प्रति किलो करने की घोषणा की है। कृषि भवन सीजीओ कॉम्प्लेक्स लोधी कॉलोनी हौज खास हेड ऑफिस संसद मार्ग आईएनए मार्केट मंडी हाउस कैलाश कॉलोनी आईटीओ साउथ एक्सटेंशन मोती नगर द्वारका नोएडा सेक्टर 14 और सेक्टर 76 रोहिणी और गुरुग्राम सहित कई स्थानों पर टमाटर की खुदरा बिक्री 60 रुपये प्रति किलो होगी।

**नई दिल्ली।** टमाटर के दाम लगातार आसमान छू रहे हैं। ऐसे में ग्राहकों को राहत देने के लिए NCCF ने Tomato Price Cut की घोषणा की है। एनसीसीएफ ने टमाटर के रिटेल सेल को 60 रुपये प्रति किलो करने की घोषणा की है। इसकी शुरुआत 29 जुलाई से दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न रणनीतिक स्थानों पर होगी।

**इन जगहों पर लगेंगे स्टॉल**

कहा गया है कि कृषि भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी कॉलोनी, हौज खास हेड ऑफिस, संसद मार्ग, आईएनए मार्केट, मंडी हाउस, कैलाश कॉलोनी, आईटीओ, साउथ एक्सटेंशन, मोती नगर, द्वारका, नोएडा सेक्टर 14 और सेक्टर 76, रोहिणी और गुरुग्राम सहित कई स्थानों पर टमाटर की खुदरा बिक्री 60 रुपये प्रति किलो होगी।

**मार्केट की मौजूदा स्थिति**

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में टमाटर की कीमतें फिलहाल 100 से 120 रुपये प्रति किलो के बीच हैं। हालांकि, अगले महीने कीमतों में गिरावट की उम्मीद है। मंडी के कुछ थोक व्यापारियों का अनुमान है कि जब तक स्थानीय खेतों से टमाटर आना शुरू नहीं होगा, तब तक कीमतों में तेजी जारी रहेगी। पिछले साल भी टमाटर की कीमतें 150 से 180 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई थीं, लेकिन अगस्त के पहले हफ्ते में इसमें गिरावट आई थी।

## 33 हजार करोड़ के पार पहुंचा जुलाई में एफपीआई निवेश, विदेशी निवशकों की भारतीय बाजारों में खूब दिलचस्पी

परिवहन विशेष न्यूज

बीते सप्ताह एफपीआई ने कुल पांच में से दो सत्रों में खरीदारी और तीन में बिक्री की। सप्ताह के दौरान एफपीआई ने शुद्ध रूप से 2918.16 करोड़ रुपये का निवेश किया। डेट या बॉन्ड बाजारों की बात करें तो 26 जुलाई तक एफपीआई 19223 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। इसके साथ वर्ष 2024 में डेट बाजारों में एफपीआई का कुल निवेश 87848 करोड़ रुपये हो गया है।

**नई दिल्ली।** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय बाजारों में आकर्षण बना हुआ है। यही कारण है कि घरेलू इक्विटी बाजारों में 26 जुलाई तक एफपीआई का शुद्ध निवेश बढ़कर 33,688 करोड़ रुपये हो गया है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डाटा के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 में अब तक इक्विटी बाजारों में एफपीआई का शुद्ध निवेश 36,888 करोड़ रुपये हो गया है।

बीते सप्ताह एफपीआई ने कुल पांच में से दो सत्रों में खरीदारी और तीन में बिक्री की। सप्ताह के दौरान एफपीआई ने शुद्ध रूप से 2,918.16 करोड़ रुपये का निवेश किया। डेट या बॉन्ड बाजारों की बात करें तो 26 जुलाई तक एफपीआई 19,223 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। इसके साथ वर्ष 2024 में डेट बाजारों में एफपीआई का कुल निवेश 87,848 करोड़ रुपये हो गया है। 2024 में अब तक इक्विटी, डेट, हाइब्रिड और अन्य इंस्ट्रूमेंट में एफपीआइ का निवेश 1.39 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि ज्यादा मूल्यांकन और पहली तिमाही के परिणाम उम्मीद से कम रहने के चलते विदेशी निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। हालांकि, घरेलू निवेशक कम मूल्य पर खरीदारी की रणनीति अपना रहे हैं। इससे बीते सप्ताह के अंतिम सत्र में बाजारों को बढ़त हासिल करने में मदद मिली है।

**बीते सप्ताह निवेश की स्थिति**

22 जुलाई 1,824.07
23 जुलाई 8,346.73
24 जुलाई -1,548.64
25 जुलाई -3,508.22
26 जुलाई -2,197.78

## 35 प्रतिशत बढ़ी सोने के आभूषणों की खरीदारी, सीमा शुल्क कम होने से सराफा बाजारों में लौट रही रौनक

भविष्य की शादियों के लिए अभी खरीदारी हो रही है। वित्त मंत्री ने सोने-चांदी के आयात पर सीमा शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया है। इससे सोने-चांदी के मूल्य में भी कमी आई है।इंडिया बुलियन एंड ज्वेलरी एसोसिएशन के सचिव सुरेन्द्र मेहता का कहना है कि सीमा शुल्क घटाने का फैसला सोने का गैरकानूनी कारोबार करने वालों के अलावा सभी के लिए अच्छा रहा है।

***भविष्य की शादियों के लिए अभी खरीदारी हो रही है। वित्त मंत्री ने सोने-चांदी के आयात पर सीमा शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया है। इससे सोने-चांदी के मूल्य में भी कमी आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलरी एसोसिएशन के सचिव सुरेन्द्र मेहता का कहना है कि सीमा शुल्क घटाने का फैसला सोने का गैरकानूनी कारोबार करने वालों के अलावा सभी के लिए अच्छा रहा है।***

**नई दिल्ली।** आम बजट 2024-25 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तरफ से सोने पर बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) घटाने की घोषणा का बाजार में असर दिख रहा है। वित्त मंत्री की घोषणा के अगले ही दिन सराफा बाजारों में रौनक लौट आई है। निवेशकों के साथ शादी-ब्याह के लिए भी आभूषणों की खरीदारी शुरू हो गई है। बाजार से जुड़े लोग बताते हैं कि विगत चार दिनों में सोने व चांदी के गहनों की खरीद करीब 35 प्रतिशत बढ़ गई है।

**शादियों के लिए सोना खरीद रहे लोग**

भविष्य की शादियों के लिए अभी खरीदारी हो रही है। वित्त मंत्री ने सोने-चांदी के आयात पर सीमा शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया है। इससे सोने-चांदी के मूल्य में भी कमी आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलरी एसोसिएशन के सचिव सुरेन्द्र मेहता का कहना है कि सीमा शुल्क घटाने का फैसला सोने का गैरकानूनी कारोबार करने वालों के अलावा सभी के लिए अच्छा रहा है। सोने की महंगाई की वजह से सराफा बाजारों में ग्राहकों की संख्या घट गई थी। अब लोग फिर से बाजार में लौटेंगे। निवेश के लिए लिहाज से भी लोगों ने खरीदारी शुरू कर दी है।

वित्त मंत्रालय के अधिकारी बताते हैं सीमा शुल्क में कमी लाने का वास्तविक उद्देश्य तस्करी में कमी लाना था। खासतौर पर दुबई के रास्ते आने वाले सस्ते सोने का आयात खत्म होगा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीत कारोबार समझौता होने के कारण अभी तक वहां सोना-चांदी के आयात पर आठ प्रतिशत शुल्क लगता था। अब कहीं से भी सोना आयात करने पर छह प्रतिशत शुल्क लगेगा। मेहता इक्विटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटीज) के राहुल कालांत्री का कहना है कि भारत में सोने का मूल्य तीन सप्ताह और चांदी का मूल्य 11 सप्ताह के न्यूनतम स्तर पर है।

यह सिर्फ आम बजट के नए प्रविधान का ही नहीं, बल्कि अमेरिकी बाजार का भी असर है। अमेरिका में फेडरल बैंक की तरफ से संकेत है कि वह निकट भविष्य में रेट कम नहीं करेगा। इसके अलावा, चीन के केंद्रीय बैंक की तरफ से दरों में कटौती के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी की भारी बिक्री हुई है। इसका कारण यह है कि चीन का केंद्रीय बैंक बाहर से सोने की खरीद कर रहा है।

ऑल बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन योगेश सिंघल ने कहा 'जिन लोगों के घरों में आगामी दिनों में शादियां हैं, वह लोग तो आ ही रहे हैं। साथ ही सोने में निवेश करने वाले ग्राहकों की संख्या भी बढ़ी है। सामान्य दिनों के मुकाबले ग्राहकों की संख्या करीब 30 प्रतिशत बढ़ी है। सीमा शुल्क में कमी से बाजा को ऊर्जा मिली है। बजट के बाद से अब तक 10 ग्राम सोने के मूल्य में करीब पांच हजार रुपये की कमी आई है।

## 3 घंटे लेट हुई ट्रेन, तो मिल सकता है रिफंड, प्रोसेस के साथ जानें क्या हैं शर्तें

देश के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। इसका असर भारतीय रेलवे के संचालन पर पड़ रहा है। कई जगह ट्रेन देरी से चल रही है या फिर कैंसिल हो रही है। ऐसे में यात्री बड़ी आसानी से रिफंड के क्लेम कर सकते हैं। जी हां अगर 3 घंटे या उससे ज्यादा की देरी से ट्रेन चलती है तो यात्री पूरे रिफंड के लिए क्लेम कर सकते हैं।

**नई दिल्ली।** भारी बारिश की वजह से ट्रेन संचालन में देरी हो रही है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुई थी जिसमें मुंबई के रेलवे ट्रैक पर मछली तैरते हुए दिखी। ट्रेन की देरी से चलने पर यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसे में यात्रियों के पास अधिकार होता है कि अगर ट्रेन 3 घंटे या उससे ज्यादा की देरी से चलती है तो वह टिकट रिफंड ले सकते हैं। आज हम आपको भारतीय रेलवे (Indian Railway) के ट्रेन टिकट रिफंड से जुड़े नियमों के बारे में बताएंगे।

**भारतीय रेलवे के नियम व शर्तें**

आप जिस ट्रेन से सफर करने वाले हैं, लेकिन वह ट्रेन 3 घंटे से ज्यादा की देरी से चल रही है तो आप आसानी से रिफंड के क्लेम कर सकते हैं। हालांकि, यह सुविधा कंफर्म तत्काल टिकट वाले यात्रियों को नहीं मिलता है। इसका मतलब है कि अगर आपके पास कंफर्म तत्काल टिकट है तो आप उसके लिए रिफंड क्लेम नहीं कर सकते हैं।

रिफंड क्लेम करने के लिए यात्रियों को टिकट डिपॉजिट रसीद फाइल करनी होती है। आप आईआरसीटीसी के ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर टीडीआर फाइल कर सकते हैं। इसके अलावा ऑफलाइन यानी टिकट काउंटर पर भी जाकर रिफंड क्लेम कर सकते हैं। भारतीय रेलवे के नियम के अनुसार टीडीआर फाइल करने के 90 दिन के भीतर आपके बैंक अकाउंट में रिफंड का पैसा आ जाएगा।

**ऑनलाइन टीडीआर फाइल करने का प्रोसेस**

सबसे पहले IRCTC के अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर यूजर आईडी और पासवर्ड की मदद से लॉग-इन करें।

अब 'Services' के ऑप्शन में जाकर "File Ticket Deposit Receipt (TDR)" पर क्लिक करें।

इसके बाद My Transactions के टैब में "File TDR" को सेलेक्ट करें।

अब आपको क्लेम रिक्वेस्ट भेजना होगा। रिक्वेस्ट एक्सेप्ट होने के बाद आपको कुछ दिनों में रिफंड आ जाएगा।

आपको बता दें कि टिकट रिफंड उसी बैंक अकाउंट में आएगा जिस अकाउंट से टिकट बुक हुई है। ऑफलाइन टिकट सरेंडर करने पर आपको बैंक अकाउंट डिटेल्स देनी होगी।

## यूएई, बहरीन के अलावा दुनिया के कई देशों में जनता नहीं देती इन्कम टैक्स, चेक करें टैक्स-फ्री देशों की लिस्ट

देश के संचालन में इनकम टैक्स की अहम भूमिका होती है। कहा जाता है कि जनता द्वारा दिए जाने वाले टैक्स से ही सरकार की कमाई होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां लोग टैक्स नहीं देते हैं। ऐसे में सवाल आता है कि इन देश की इकोनॉमी कैसे चलती है। इस आर्टिकल में टैक्स फ्री देशों की लिस्ट चेक करते हैं।

**नईदिल्ली।** टैक्स किसी भी देश के संचालन के लिए बहुत जरूरी माना जाता है। कहा जाता है कि देश की इकोनॉमी में जनता द्वारा दिए जाने वाले टैक्स की अहम भूमिका होती है। लेकिन, दुनिया के कई देश ऐसे भी जहां जनता से कोई इनकम टैक्स नहीं लिया जाता है। इस लिस्ट में यूएई, सऊदी अरब जैसे कई देशों के नाम शामिल हैं। आइए, जानते हैं कि दुनिया में किन देश के नागरिकों को कोई इनकम टैक्स नहीं देना होता है।

**UAE**

डायरेक्ट टैक्स फ्री इकोनॉमी की लिस्ट में सबसे पहला नंबर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) आता है। यहां जनता से कोई व्यक्तिगत टैक्स नहीं लिया जाता है। इस देश में इकोनॉमी के संचालन के लिए सरकार अप्रत्यक्ष करों जैसे वैट (वैल्यू एडेड टैक्स) और कई चार्ज लेती है। वैसे तो यूएई ऑयल और टूरिज्म सेक्टर में भी काफी मजबूत है, जिसकी वजह से यहां की जनता को इनकम टैक्स में राहत मिली है।

**बहरीन**

बहरीन के निवासी भी सरकार को टैक्स नहीं देती है। यहां भी सरकार डायरेक्ट टैक्स की जगह अप्रत्यक्ष करों और अन्य शुल्कों पर निर्भर है। कहा जाता है कि इस तरीके से देश की इकोनॉमी में भी रफ्तार आती है और यह बिजनेस-स्टार्टअप्स के लिए भी काफी अच्छा अवसर पैदा करता है।

**कुवैत**

टैक्स-फ्री देशों (Tax Free Countries) की लिस्ट में कुवैत का नाम शामिल है। कुवैत पूरी तरह से ऑयल से होने वाली इनकम पर बेस्ड इकोनॉमी है। यहाँ जनता से कोई व्यक्तिगत टैक्स नहीं लिया जाता है। चूंकि, कुवैत की इनकम का बड़ा हिस्सा तेल निर्यात (Oil Export) से आता है। इस वजह से यहां सरकार जनता से डायरेक्ट टैक्स नहीं लेती है। टैक्स-फ्री देश होने के बावजूद कुवैत की इकोनॉमी काफी मजबूत है।

**सऊदी अरब**

सऊदी अरब की जनता भी एक रुपये का डायरेक्ट टैक्स नहीं देती है। सऊदी अरब की सरकार ने डायरेक्ट टैक्स सिस्टम को खत्म कर दिया है। यहां अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था लागू है जो इकोनॉमी को बूस्ट करने में मदद करता है। दुनिया की समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं की लिस्ट में सऊदी अरब का नाम शामिल है।

**द बहमास**

वेस्टर्न हेमिस्फीयर में मौजूद द बहमास भी टैक्स फ्री देश है। द बहमास को टूरिज्म के लिए हेवन यानी जन्नत कहा जाता है। चूंकि यहां टूरिज्म सेक्टर काफी मजबूत है, इस वजह से यहां कि सरकार जनता से कोई टैक्स नहीं लेती है।

# रामनगरी से जुड़े हाईवे घोषित होंगे ग्रीन रूट , चलेंगे सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन , डीजल गाड़ियां होंगी बैन

परिवहन विशेष न्यूज

अयोध्या से जुड़े चार हाईवे आने वाले समय में ग्रीन रूट घोषित किए जाएंगे। यहां से प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ और गोरखपुर मार्ग पर सार्वजनिक परिवहन के लिए सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन चलेंगे।

**अयोध्या।** प्रदेश के प्रमुख सचिव परिवहन एल वेंकटेश्वर लू ने बताया कि अयोध्या से जुड़े चार हाईवे आने वाले समय में ग्रीन रूट घोषित किए जाएंगे। यहां से प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ और गोरखपुर मार्ग पर सार्वजनिक परिवहन के लिए सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन चलेंगे। डीजल वाहनों को धीरे-धीरे हटा दिया जाएगा। 500 करोड़ से 120 नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी। अनुबंध की नीति के तहत 5000 अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों का संचालन किया जाएगा।

प्रमुख सचिव शनिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि परिवहन निगम ने पहले से 100 इलेक्ट्रिक बसों की खरीदारी कर चुका है। ग्रीन रूट पर डीजल वाहनों का संचालन बंद करने से पहले उन मार्गों पर जितने यात्री चलते हैं, उनके लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रबंध किया जाएगा। अनुबंध के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन के लिए बेहतर रूट और बस स्टेशन दिए जाएंगे। इलेक्ट्रॉनिक टिकट मशीन उपलब्ध कराने के साथ परिवहन निगम के अफसर सुपरविजन करेंगे। इन सुविधाओं के लिए जो परिवहन निगम को जयादा शुल्क देगा, उसे रूट उपलब्ध कराया जाएगा।

**प्रदेश में 13,000 यात्री व 12,000 स्कूल बसों में हैं खामियां : प्रमुख सचिव**

प्रमुख सचिव के अनुसार प्रदेश में 13,000 यात्री और 12,000 स्कूल बसों में अलग-अलग तरह की खामियां हैं। इन सबका ब्योरा वाहन पोर्टल पर दर्ज है। इसका जिलावार विवरण निकालकर मुख्य सचिव मनोज सिंह की ओर से जिला प्रशासन और पुलिस विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पहले संवाद किया जाएगा, फिर कार्रवाई होगी। अपेक्षा रहेगी कि अवैध वाहनों को उनके स्वामी वैध की श्रेणी में लाएं, नहीं तो स्क्रैप सेंटर में भेजवाने के लिए तैयार रहें। अवैध वाहनों का संचालन किसी भी सूरत में सड ?क पर नहीं होने दिया जाएगा।

# मूल्य वृद्धि पर नवीन बाबू का भाषण योग्य नहीं: दिलीप मोहंती

मनोरंजन सासमल , स्टेटे हेड उडीशा

**भुबनेस्वर :** नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजे सरकार ने अपने 25 साल के शासन के दौरान ओडिशा को किसी भी क्षेत्र में स्वशासित राज्य नहीं बनाया है। ओडिशा राज्य विशेषकर दैनिक खाद्यान्न के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर है। इसके लिए पूरी तरह से बीजे के शासन काल में शुरू किये गये अलहू मिशन की विफलता जिम्मेदार है। इसी तरह बीजेजे अपने लंबे शासनकाल में एक भी नया कोल्ड स्टोर नहीं बना पाई है। प्रदेश प्रवक्ता श्री दिलीप मोहंती ने कहा कि वेतन वृद्धि के मुद्दे पर वर्तमान विपक्षी दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन बाबू का भाषण योग्य नहीं है और उसी मुद्दे पर बीजेजे पार्टी का भाषण बहुत हास्यास्पद है । इसी तरह चिट्ठी लिखकर अपने सिर से दोष उतारने की नवीन बाबू की पुरानी आदत थी, जो अब भी जारी है । दूसरी ओर, डेढ़ महीने से भी कम समय में सत्ता संभाले लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी कैंप की समस्याओं के प्रति बेहद सजग और सतर्क हैं। माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभागीय मंत्री श्री कृष्णचंद्र पोटे ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए विभागीय अधिकारियों को कालाबाजारी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया । श्री मोहंती ने कहा कि राज्य सरकार शिविर की समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठा रही है और आने वाले दिनों में इसका परिणाम राज्य की जनता देखेगी ।

# उद्यमिता से उज्जवल भविष्य की ओर भारत : कश्मीरी लाल

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

**जम्मू।** जैविक उद्यमिता आधारित स्वरोज़गार के मॉडल से भारत के युवाओं को एक नयी दिशा प्राप्त हो सकती है ऐसा अखिल भारतीय संगठक श्री कश्मीरी लाल जी ने आज जम्मू कश्मीर स्वदेशी जागरण मंच प्रांत के दो दिवसीय विचार वर्ग के शुभारंभ करते हुए कहा। उन्होंने तमिलनाडु के शिवकाशी के उद्यमी श्नमुगम का उदाहरण देते हुए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया । उधमपुर स्थित कलहाडी फैक्ट्री के शुभम्शर्मा को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया ऐसे ही आचार बननाने से जुड़ी युवा महिला उद्यमी प्रतीक्षा ने कार्यक्रम को संबोधित किया और बताया कि उन्होंने कितनी ही बहनो को इस प्रकल्प में सम्मिलित किया हुआ है और रोज़गार प्रदान कर रही है । डायरेक्टर हैंडिक्राफ्ट्स जम्मू श्री सूरज रक्कवाल ने उद्यमियों के लिए जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी । मंच ने आह्वान किया कि वे इस मानसिकता को बदलें कि नौकरी ही रोजगार है। देश में कुल 8 से 9% ही सरकारी नौकरी है। युवा इस चुनौती का समाधान स्वयं का

उद्यम-रोजगार, स्टार्टअप्स के माध्यम से कर सकते हैं।

स्वदेशी जागरण मंच के उत्तर क्षेत्रीय अधिकारी प्रो० आशुतोष, पंजाब प्रांत संगठक विनय जी, प्रांत संयोजक श्री विपिन जी, सह संयोजक डा० मुनीश जी , महानगर संगठक सुनील जी, प्रांत संपर्क अजय चंदेल, विजय जौहर, यशदेव , महानगर संयोजक रवि जी सह संयोजक नरेश जी आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे । प्रांत महिला प्रमुख, अनीता जी और सह प्रमुख दीपाली जी भी दो दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित हुई।

# पुरी-अनुगुल पैसेंजर ट्रेन में आग लग गई

मनोरंजन सासमल , स्टेटे हेड उडीशा

**भुबनेस्वर:** पुरी-अनुगुल पैसेंजर ट्रेन में आग लग गई । बताया गया है कि मालतिपतपुर और हुलुहुलवा पोल के बीच ट्रेन से आग लग गयी. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ट्रेन की ब्रेक बाइंडिंग रगड़ गई थी और मामूली आग लग गई थी। जब लोगों ने ट्रेन के पीछे इंजन से धुआं निकलता देखा तो ट्रेन रुक गई ।सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। खबर मिलते ही रेलवे स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया । जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। आग देखकर यात्री घबरा गया। आग क्यों और कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है।

# आर जी एच एस की डोर स्टेप डिलेवरी के प्रति ई पी फार्मा स्टोर उदासीन, प्रतिकूल शर्तों के कारण बनानी पड़ी दूरी

- विभाग की कथनी और करनी में असमानता से दवा विक्रेताओं में भारी रोष व्यापत
- अब सिर्फ आश्वासन से काम नहीं चलने वाला, आगामी दिवसों में समस्याओं का त्वरित निस्तारण नहीं किया गया तो, लाभार्थियों को दवा मिलने में होने वाली असुविधा के लिए राज्य सरकार स्वयं होगी जिम्मेदार।

परिवहन विशेष अनुप कुमार शर्मा

**भीलवाड़ा।** राज्य सरकार के ऐम ओ यू के अनुसार 21 दिन में भुगतान करने का दावा अब फेल होता नजर आ रहा हैं। नतीजन 4 माह में राजस्थान के 4500 दवा विक्रेताओं के 600 करोड़ से अधिक के बकाया भुगतान की अब पूरजोर मांग उठने लगी हैं जिसके चलते दवा विक्रेताओं में भुगतान नहीं होने के कारण भारी रोष व्याप्त हैं।

प्रादेशिक आजीएसएच अधिकृत दवा विक्रेता समिति के उपाध्यक्ष सुनील भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया की राज्य सरकार ने राज्य के सेवारत-सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत डोर स्टेप डिलीवरी (कर्मचारी के घर तक दवा पहूँचाने) की घोषणा की थी। उन्ही घोषणा की शर्तों में पोर्टल पर बिल रिजेक्शन के डर से अधिकतर केमिस्ट योजना को लेकर आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।

उपाध्यक्ष सुनील भारद्वाज बताते हैं कि डीएसडी यानी डोर स्टेप डिलीवरी योजना में अजीबों गरीब शर्तें हैं, इसमें दवा व्यापारियों को सरकार से पैसे डूबने का डर हैं। जबकि आरजीएचएस में जुड़ने के लिए 1 लाख रुपए की बैंक गारंटी ली गई थी। अब दोबारा होम डिलीवरी की सेवा योजना में दवा दुकानदारों से फिर से 1 लाख रुपए की बैंक गारंटी मांगी जा रही हैं। इधर केमिस्टों का कहना हैं कि पहले से तीन माह में केमिस्टों के 600 करोड़ रुपए आरजीएचएस में अटके पड़े हैं। और प्रदेशभर में अब तक सरकार से 2 अरब से ज्यादा रुपए भुगतान नहीं हो पाए हैं। साथ ही DSD मे पोर्टल पर पर्ची स्वीकृत कर ली तो रिजेक्ट नहीं कर सकते, सब्सिट्यूट नही दे सकते, लिखी गयी सभी दवाई उपलब्ध करवाने की बाध्यता, पेनेल्टी जैसी शर्तें भी शामिल हैं । साथ ही इस योजना में सेवारत व सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आरजीएचएस पोर्टल पर अपनी एसएसओ

आईडी के जरिए परामर्श पर्ची अपलोड करनी होती हैं। पर्ची में जिस ब्रांड की दवा लिखी हैं, उसी ब्रांड की दवा देनी भी होगी। यदि दूसरा नामी ब्रांड दे दिया तो केमिस्टों का बिल रिजेक्ट किया जा रहा हैं। दूसरा दुकानदारों ने पर्ची पोर्टल से स्वीकृत कर ली तो अब वे उसे रिजेक्ट नहीं कर सकते। इसी तरह कैंसर की तीन लाख की दवा जोड़ी हुई, इंडियन ब्रांड 14 हजार की नहीं जोड़ी। वही आरजीएचएस योजना में कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने वाली दवा लिनपार्जा 3 लाख रुपए की हैं और इस दवा को योजना में जोड़ा हुआ हैं, जबकि दूसरी और इंडियन ब्रांड इसी सॉल्ट की दवाइयों को नहीं जोड़ा गया हैं। इसी तरह कई महँगी दवाइयो को जोड़ा जाना एवं उसी घटक की कम कीमत की दवाइयो को नही जोड़ा जाना राज्य सरकार के लिए शुद्ध नुकसान हैं। जिसके चलते केमिस्टों में भारी आक्रोश व्याप्त हैं। ऐसे में सरकार किसकी गलती की वजह से जान बूझकर ये घाटा झेल रही हैं?। जबकि इंडियन ब्रांड सही नहीं हैं तो इसे मार्केट में क्यों अप्रूव किया गया।

उपाध्यक्ष भारद्वाज बताते हैं कि क़रीब ढाई साल से रिजेक्शन और डिडक्शन के बिलों का जानबुझ कर निस्तारण नहीं किया जा रहा हैं, उसमे भी राजस्थान के केमिस्टों का करोड़ो रुपया अटका हुआ पड़ा हैं। कुछ इन्हीं अति गम्भीर कारणों के चलते प्रदेशभर के सभी केमिस्टों में भयंकर आक्रोश व्याप्त हैं। इसी कारण आरजीएचएस के लाभार्थी को समय पर दवाईयो की आपूर्ति नहीं होती हैं। और पर्ची में कोई छोटी मोटी कमी रह जाय तो दुकानदार लाभार्थी को दवाई का मना कर देता हैं जिसके चलते रोगी डॉक्टर और दवा विक्रेता के बीच चक्कर काट काट करके परेशान होता रहता हैं। अब इस समस्या पर राज्य सरकार शीघ्रतापूर्वक ध्यान देकर उक्त मामले का जल्द से जल्द निस्तारण भी करें ताकि रोगियों को आर जी एच एस योजना का सही तरीके से पूरा पूरा लाभ मिलें जिससे सरकार की योजना का सफलतम संचालन हो सके।

# दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार द्वारा माह भारत पर आधारित नाट्य पर चर्चा हुई

जगदीश सीरवी मल्काजगीरी
मेडचल बौद्धिक भारत

**हैदराबाद:** सिकंदराबाद स्थित के जे आर गार्डन में दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार द्वारा माह भारत पर आधारित नाट्य ₹ चक्रव्यूह पर विचार विमर्श किया और नवरात्रि पर्व पर यह नाट्य ₹ चक्रव्यूह पर ग्राउंड कि चर्चा कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन' स्वामी विवेकानंद एवं महर्षि अरविन्द के सेवा दर्शन से प्रभावित होकर 'सेवा, साधना, सम्बोधित' के भाव से कुष्ठ पीड़ित बन्धुओं की मरहम पट्टी से प्रारम्भ किया गया। समाज के सबसे घृणित, उपेक्षित एवं पशुवत् जीवन जीने को बाध्य कुष्ट रोगियों एवं उनके परिवार की सेवा के लिए मन, वचन, कर्म से कृत संकल्प 'दिव्य प्रेम सेवा मिशन की स्थापना 12 जनवरी 1997 को डॉ. आशीष गोतम द्वारा चण्डीघाट, हरिद्वार से प्रारंम्भ की गई नाट्य ₹ चक्रव्यूह में विचार विमर्श पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी माध्य प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, सुभाष अग्रवाल , भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मंत्री पाली एवं कोरेमुला बडेर अध्यक्ष कालुराम काग सचिव डायाराम लचेटा, शान्ति लाल सुथार, मनोज भाई, सन्तोष भाई व गणमान्य समाज बन्धु उपस्थित रहे (छाया विवरण जगदीश सीरवी)

# कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष पर शहीदों की याद मे विशाल वृक्षारोपण

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

**भीलवाड़ा।** लायंस क्लब भीलवाड़ा के अध्यक्ष लायन आरपी बल्दवा ने बताया की लायंस क्लब भीलवाड़ा एवं लायंस क्लब भीलवाड़ा रूबी के संयुक्त तत्वाधान में पीडीजी, पीएमसीसी लायन अरविंद शर्मा, पीडीजी, पीएमसीएस लायन दिलीप तोषनीवाल, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन श्याम सुंदर मंत्री के सानिध्य में रीजन चेयरमैन लायन राकेश पगारिया के सहयोग से लायन ओपी काबरा एवं लायंस क्लब रूबी अध्यक्ष लायन मधु काबरा के द्वारा अजय सिंटेक्स प्राइवेट लिमिटेड में पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया।

इस कार्यक्रम में कुल 570 पौधे जिसमें औषधिय, फलदार, छायादार एवं डेकोरेटिव पौधे लगाए गए।

इस कार्यक्रम में माइक्रो कैबिनेट चेयरपर्सन लायन मंजू पोखरना, लायंस क्लब भीलवाड़ा स्टार के अध्यक्ष अंकुर जैन, लायन भूपेश सामर, विनोद जैन, मुकेश कोठारी, रूबी क्लब की सचिव सुधा जैन व कोषाध्यक्ष ममता शर्मा एवं डायरेक्टर निखिल काबरा आदि उपस्थित थे।

# कारगिल विजय दिवस, भारतीय सेना के अद्वितीय साहस और शौर्य का प्रतीक

डॉ उमेश शर्मा

**आगरा।** कारगिल विजय दिवस, भारतीय इतिहास का एक ऐसा महत्वपूर्ण अध्याय है, जो हमारे वीर जवानों के साहस, शौर्य और बलिदान की कहानी बयां करता है। यह दिवस 26 जुलाई को मनाया जाता है और यह दिन उन वीर सपूतों को समर्पित है, जिन्होंने 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की और पाकिस्तान की सेना एवं आतंकवादी घुसपैठिए को मुंहतोड़ जवाब देकर भारतीय क्षेत्र से बाहर खदेड़कर भगा दिया।

कारगिल विजय दिवस की जीत की 'रजत जयंती' के अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा ने कारगिल की दुर्गम पहाड़ियों पर अपने अदम्य साहस से दुश्मन को धुल चटाने वाले सभी वीरों जवानों को शत शत नमन करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अद्वितीय साहस और शौर्य का प्रतीक है। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए हमारे जवान किसी भी हद तक जा सकते हैं। इस दिन हम सभी को उन वीर जवानों को नमन करना चाहिए। जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की और हमें सुरक्षित रखा। यह विजय दिवस हमारे दिलों में देशभक्ति की भावना को और प्रबल बनाता है और हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी को अपने देश की रक्षा और सम्मान के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

एडवोकेट अरविन्द पुष्कर ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय इतिहास का एक ऐसा महत्वपूर्ण अध्याय हैं। कारगिल विजय दिवस हमारे सैनिकों के बलिदान और देशभक्ति की मिसाल है। कारगिल युद्ध में बहुत सी कठिनाइयाँ आयी क्योंकि कारगिल युद्ध भौगोलिक और जलवायु दोनों ही दृष्टिकोण से बेहद कठिन था। भारतीय सैनिकों को दुश्मन से ऊंचाई पर बैठकर लड़ना पड़ा, जहां से पाकिस्तान की सेना और आतंकवादी घुसपैठिओं की गोलाबारी का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, बर्फीली हवाएं, कठिन रास्ते और कम ऑक्सीजन के स्तर ने भारतीय जवानों के सामने और भी चुनौतियां खड़ी कर दीं थी लेकिन हमारे वीर जवानों ने इन सभी कठिनाइयों को परास्त करते हुए दुश्मन को खदेड़ दिया और लगभग 60 दिनों के लंबे संघर्ष के बाद 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय की सफलता की घोषणा की, इस युद्ध में 527 भारतीय जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी और 1050 से अधिक घायल हुए। इन वीर जवानों के साहस और बलिदान को आज भी देश याद करता है और सम्मानित करता है। कारगिल की दुर्गम पहाड़ियों पर भारत माँ की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सभी वीरों को बारम्बार नमन।

एडवोकेट संजीव कुमार सिंह ने कहा, कारगिल विजय दिवस हमारे सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और असाधारण पराक्रम के प्रति कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा सम्मान प्रकट करने का अवसर है। वर्ष 1999 में कारगिल की चोटियों पर भारत मां की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले प्रत्येक सेनानी को मैं श्रद्धांजलि देता हूं और उनकी पावन स्मृति में नमन करता हूं। मुझे विश्वास है कि सभी देशवासी उनके त्याग और शौर्य से प्रेरणा प्राप्त करेंगे। देश हमेशा कारगिल युद्ध में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए बहादुर सैनिकों के बलिदान को याद रखेगा। यह विजय दिवस हमारे वीर जवानों के साहस, शौर्य और बलिदान की कहानी बयां करता है। यह सभी पराक्रमी योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन है, जिन्होंने आसमान से भी ऊँचे हौसले और पर्वत जैसे फौलादी दृढ़ निश्चय से अपनी मातृभूमि के कण-कण की रक्षा की। भारत माता के वीर सिपाहियों ने अपने त्याग व बलिदान से इस वसुंधरा की न सिर्फ आन, बान और शान को सर्वोच्च रखा बल्कि अपनी विजित परंपराओं को भी जीवंत रखा। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर मैं सभी वीर सेनानियों का

स्मरण करता हूँ। आपके अदम्य साहस, वीरता और बलिदान से ही कारगिल की दुर्गम पहाड़ियों पर तिरंगा पुनः गर्व से लहराया। देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने के आपके समर्पण को कृतज्ञ राष्ट्र नमन करता है।

समाजसेवी पंकज जैन ने कहा, आज कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर हम 1999 के युद्ध में बहादुरी से लड़ने वाले बहादुर सैनिकों की अदम्य भावना और साहस को याद करते हैं। उनकी अटूट प्रतिबद्धता, वीरता और देशभक्ति ने सुनिश्चित किया कि हमारा देश सुरक्षित रहे। उनकी सेवा और बलिदान हर भारतीय और हमारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। कारगिल युद्ध का आरंभ मई 1999 में हुआ जब भारतीय सेना को पता चला कि पाकिस्तान की सेना और आतंकवादी घुसपैठिए कारगिल जिले के महत्वपूर्ण चोटियों पर कब्जा कर चुके हैं। ये घुसपैठिए भारतीय क्षेत्र में लगभग 4-5 किलोमीटर अंदर तक घुस चुके थे और ऊंची चोटियों पर कब्जा कर लिया था, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग 1 श्रीनगर-लेह मार्ग को खतरा उत्पन्न हो गया था। इस ऑपरेशन का नाम विजय रखा गया था। भारतीय सेना ने इस घुसपैठ का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए 'ऑपरेशन विजय' शुरू किया और पाकिस्तान की सेना एवं आतंकवादी घुसपैठिए को भारतीय क्षेत्र से बाहर खदेड़कर भगा दिया। हालांकि पाकिस्तान बार बार आतंकवाद और छद्म युद्ध का सहारा लेकर अशांति फैलाने की कोशिश करता है और वहीं, भारत हमेशा शांति स्थापित करता हैं। पाकिस्तान ने जब भी कुछ नापाक कोशिश की, उसे मुंहतोड़ जवाब मिला है लेकिन पाकिस्तान ने खुद से कोई सबक नहीं लिया है। वह आतंकवाद और छद्म युद्ध का सहारा लेकर खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान ने जब भी कोई दुस्साहस किया, उसे हार का सामना करना पड़ा। यह देश हमेशा हमारे वीर जवानों का ऋणी और आभारी रहेगा। कर्तव्य की राह पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को शत शत नमन एवं श्रद्धांजलि।

फ़िल्म निर्माता सावन चौहान ने कहा कि आज हम कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के गवाह बने है। कारगिल विजय दिवस हमें बताता है कि राष्ट्र के लिए दिए गए बलिदान अमर है। यह विजय दिवस करोड़ों देशवासियों के सम्मान के विजय का दिन है। कारगिल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमारे देश की सुरक्षा में लगे सैनिक किस प्रकार अपने प्राणों की परवाह किए बिना देश की रक्षा करते हैं। यह दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम अपने वीर जवानों के बलिदान को कभी नहीं भूलेंगे और हमेशा उनके प्रति कृतज्ञ रहेंगे। कारगिल की दुर्गम पहाड़ियों पर अपने अदम्य साहस से दुश्मन को धुल चटाने वाले सभी वीरों जवानों को शत शत नमन और अतुलनीय साहस और शौर्य का परिचय देते हुए भारत माँ की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले सभी वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि, शत-शत-नमन, जय हिन्द ! जय भारत !

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail .com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**